



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 3, 2010/माघ 14, 1931

No. 44]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 3, 2010/MAGHA 14, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 2010

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : जापान तथा थाईलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फेनोल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/27/2009-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया :

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत मै. हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लि., मुंबई से घरेलू उद्योग की ओर से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसका मै. एस आई ग्रुप-इंडिया लि., (जिसे पहले सेनेक्टेडी हरदेनिया लि., के नाम से जाना जाता था), समर्थन किया है तथा जिसमें जापान और थाईलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फेनोल (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है ।
- (ii) प्राधिकारी ने संबंधित नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच की शुरुआत करने से पहले याचिकाकर्ता द्वारा पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को सूचित किया था;
- (iii) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 11 अगस्त, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसमें नियमों के उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फेनोल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत की गई थी ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और उसके प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी ।
- (iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावासों, संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और घरेलू उद्योग को आवेदक द्वारा बताए गए उनके पत्तों के अनुसार दिनांक 11-8-2009 को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भेजी थीं और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में उनके विचारों से अवगत कगने का अनुरोध किया था ।

- v. प्राधिकारी ने संबंधित नियम के नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावासों को आवेदन के अगोपनीय अंश की एक-एक प्रति उपलब्ध कराई थी ।
- vi. भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था और उनसे उनके देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का जवाब देने की सलाह देने का अनुरोध किया गया था । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक-एक प्रति निर्यातकों के नामों और उनके पत्तों के साथ दूतावासों को भी भेजी गई थी ।
- vii. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना प्राप्त करने के लिए प्रश्नावलियां भेजी थीं :

पीटीटी फेनोल कंपनी लि. (पीपीसीएल) 123, सन टावर बिल्डिंग, बी, 36वां तल, विभावाड़ी, रेंगसिट रोड, चोम्फोन, चाटुचक, बैंकॉक - 10900	चीबा फेनोल कंपनी लि. सिओडोम सिटी सेंटर, 1-5-2, हीगासीसिम्बासी, जापान
मित्सुबिसी कैमिकल 14-1 टोक्यो 108-0014, जापान सिबा 4-चोम, मिनाटो-कू	

- viii. उपर्युक्त अधिसूचना के जवाब में निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने जांच शुरुआत का उत्तर दिया है:

हितबद्ध पक्षकार का नाम	देश
पीटीटी फेनोल कंपनी लि., उत्पादक और निर्यातक	थाईलैंड
मित्सुई एंड कंपनी लि. ("एम बी के"), जापान, निर्यातक	जापान
मै. मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसेफिक), पोंटाई लि., सिंगापुर, निर्यातक	सिंगापुर
मित्सुबिसी कैमिकल कार्पो. ("एम सी सी"),	जापान
सुमितोमो कार्पोरेशन, निर्यातक	जापान
सुमितोमो कार्पोरेशन एशिया पी टी ई लि.	सिंगापुर
मित्सुई कैमिकल, आई एन सी, उत्पादक	जापान

- ix. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और संबद्ध देश के उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी । तथापि, संबद्ध देश के किसी भी आयातक से प्रश्नावली का कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है ।

मै. सी.जे.शाह एंड कंपनी, 105, बजाज भवन, 10वीं मंजिल, नरीमन प्वाइंट, मुंबई- 400021	मै. हरेश कुमार एंड कंपनी 1212, मार्कर चेम्बर्स, 5, जमनलाल बजाज रोड, नरीमन प्वाइंट, मुंबई-400021.
---	--

मै. पी सी एल इंडस्ट्रीज एम-105, कनॉट प्लेस नई दिल्ली-110001	मै. कांतिलाल मनीलाल एंड कंपनी 16, प्रिन्सेज स्ट्रीट मुंबई-400003.
सोनकमल इंटरप्राइजेज, 10, देव दर्शन अपार्टमेंट, ओल्ड नागरदास रोड, अंधेरी (ईस्ट) मुंबई-400069	मै. खेतान ब्रदर्स, सी-17, दलिया इंडस्ट्रियल एरिया ऑफ न्यू लिंक रोड, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट के सामने अंधेरी (वेस्ट) मुंबई-400058
मै. शुभम डाइज एंड कैमिकल्स लि., 2/26, रूपनगर दिल्ली- दिल्ली 110007	एक्रॉन इंटरप्राइजेज, प्लॉट नं. 218- 219/3, जी.आई.डी.सी., नरोदा, अहमदाबाद, पिन कोड- 382330, गुजरात
मै. नाइकनेवेयर कैमिकल्स लि. 1, विद्या भवन, 121, केलस्कर रोड, शिवाजी पार्क, दादर (वेस्ट) मुंबई (महाराष्ट्र)	मै. पारस डाइज एंड कैमिकल्स, 12वीं मंजिल, विद्या बिल्डिंग, 17 बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली- -110001
मै. टोरेट फार्माच्यूटीकल्स लि. आश्रम रोड, अहमदाबाद रोड- 380009 गुजरात	मै. यूनाइटेड फॉस्फोरस लि., ऐडीमनी ट्रेस, 167, डॉ. ऐनी बेसेंट रोड, वर्ली, मुंबई -400 018
मै. रेजिन एंड प्लास्टिक लि. क्रॉस रोड बी, मुंबई- 400093	मै. कैलाश पॉलीमर्स, 60 कृष्णा मार्केट, कालकाजी, नई दिल्ली
मै. सेंचुरियन मेटलिज प्रा.लि., 6/221, देवधर रोड, मतंगा- 400019-मुंबई	मै. वंडर लेमिनेटीज प्रा.लि., 14, भाषा डॉयमंड हार्बर रोड, कोलकाता
मै. मेघदेव इंटरप्राइजेज, पी.के. हाऊस, एच/एच एम.जे. लाइब्रेरी, एलिसब्रिज अहमदाबाद	मै. सतगुरु इंटरनेशनल 204-डी, पॉकेट-12, जसोला विहार, अपोलो हॉस्पिटल, नई दिल्ली
मै. हाई पॉलीमर लेब्स लि., 803, विशाल भवन, 95, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली	मै. रेनबो कलर्स एंड कैमिकल्स 14/ए, भाविक कॉम्प्लैक्स, घोडं डोड रोड, सूरत, गुजरात
मै. ब्लेच मार्किटिंग प्रा.लि., 120, ब्लेच चेम कंपाउंड नियर चंदोला, अहमदाबाद	मै. करमेन इंटरनेशनल (प्रा.) लि. 31ए/20, एनपी, सिडको इंटरनेशनल इस्टेट, चेन्नई
मै. कृष्णा एंटीऑक्सीडेंट्स प्रा.लि., लॉप्स मेनर, आई सी कॉलोनी, चंद्रा हाउस के नजदीक, मुंबई	मै. एन जी पी इंडस्ट्रीज लि. एम-13, पुंज हाऊस, नई दिल्ली
मै. फॉर्मसन फार्मास्यूटीकल गुजरात लि. 5वीं मंजिल, कॉमर्स सेंटर, सायाजी गंज, बड़ौदा	मै. इंडिया ग्लाइकल्स लि., सी-124, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया फेस-1 नई दिल्ली
मै. सिंह प्लास्टिसीसर्स एंड रेजिन्स (आई) प्रा. बी- 316, तीसरी मंजिल, सोमदत्त चेम्बर्स-1, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली	मै. नेशनल पॉलीवुड इंडस्ट्रीज लि., 5 फेन्सी लेन, 700001 कोलकाता
कुंदन राइस मिल लि., डी-17, सेंचुरी मार्केट, प्रशान्त विहार, दिल्ली-110085	

- x. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश को हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया;
- xi. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय, (डीसीआईएंडएस) से पिछले तीन वर्षों और

जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयात संबंधी ब्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था ।

- xii. आवेदक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत और उसे बनाने और बेचने की लागत ज्ञात की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।
- xiii. यह जांच 1 अक्टूबर, 2008 से 30 जून, 2009 (9 महीने) (जांच अवधि) तक की अवधि के दौरान की गई थी । क्षति संबंधी विश्लेषण के संबंध में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2006-मार्च, 2007, अप्रैल, 2007-मार्च, 2008 और अप्रैल, 2008-मार्च, 2009 तथा जांच अवधि शामिल है ।
- xiv. इस अधिसूचना में *** चिन्ह आवेदकों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को दर्शाता है ।

विचाराधीन उत्पाद

3. विचाराधीन उत्पाद फेनोल है ।

4. फेनोल एक कार्बनिक रसायन है जिसे कार्बोलिक अम्ल के रूप में भी जाना जाता है और इसका उपयोग फेनोल फॉर्मेलिडहाइड रेजिन्स, लेमिनेट्स, प्लाईवुड, पार्टीकल बोर्ड्स, बिसफेनोल-ए, अल्काइल फेनोल्स, मेषजों, डी फिनाइल ऑक्साइड और निम्नवर्ती रसायनों के विनिर्माण में किया जाता है । फेनोल को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय-29 और 27 के अंतर्गत क्रमशः उप-शीर्ष 29071110, 27079900 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है । तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण मात्र सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है ।

5. यह एक आधारभूत कार्बनिक रसायन है, जिसका विपणन दो ग्रेडों अर्थात् क्रिस्टलाइन और हाइड्रेटेड रूप में किया जाता है । इन दोनों ग्रेडों को फेनोल की प्रवाह संबंधी विशेषताओं के आधार पर भिन्न-भिन्न किया जाता है । इसका विपणन दो रूपों-खुले/बल्क या पैकड में किया जाता है ।

समान वस्तु

6. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित "फेनोल" विचाराधीन उत्पाद के समान है और इसलिए उसे इस जांच के प्रयोजनार्थ समान उत्पाद माना जा रहा है ।

घरेलू उद्योग की स्थिति और जांच की शुरुआत

7. यह याचिका मै. हिंदुस्तान ऑर्गेनिक कैमिकल्स लि., मुंबई द्वारा दायर की गई है और मै. एस आई ग्रुप-इंडिया लि., मुंबई (जिसे पहले सेनेक्टेडी हरदेलिया लि. के नाम से जाना जाता था) ने इसका समर्थन किया है । देश में इस उत्पाद के कोई अन्य ज्ञात उत्पादक नहीं हैं । वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ मै. हिंदुस्तान ऑर्गेनिक कैमिकल्स लि. अकेले ही "घरेलू उद्योग" होंगे ।

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिनजापान के लिए सामान्य मूल्यसहयोगी निर्यातकमित्सुबिसी कैमिकल कार्पोरेशन

8. जाच शुरुआत का उत्तर देते हुए जापान के संबद्ध उत्पादक ने यह बताया है कि जापान ने कंपनी की बिक्रियां दिया कैमिकल्स, एक 100% सहायक कंपनी, युका सनेक्टेडी, सेनेक्टेडी के साथ 50% की संयुक्त उद्यम कंपनी और अन्य विनिर्माताओं के साथ अदला-बदली करके की जाती हैं। यह भी दावा किया गया है कि कीमतें कच्ची सामग्री की बाजार कीमतों तथा एक अतिरिक्त राशि पर आधारित है और घरेलू बाजार में इन बिक्रियों के भिन्न-भिन्न वाणिज्यिक संकल्पनाओं पर आधारित होने की बात कही गई है और जो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए संगत नहीं है। इसके अलावा, लागत निर्धारण संबंधी सूचना भी प्रस्तुत नहीं की गई है। तथापि, उन्होंने निर्यात संबंधी ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं, जिनके जांच अवधि के दौरान भारत से इतर तीसरे देशों को किए जाने का दावा किया गया है। उन्होंने घरेलू उद्योग द्वारा यह याचिका प्रस्तुत करते समय सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु अपनाई गई पद्धति पर भी प्रश्न उठाया है और यह प्रश्न किया है कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में सामान्य मूल्य प्राप्त करने के पर्याप्त प्रयास नहीं किए हैं।

9. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए घरेलू बिक्रियों से संबंधित सूचना समेत सभी सूचनाएं प्रदान करने का दायित्व प्रतिवादी निर्यातक का है और यह निर्णय प्राधिकारी द्वारा किया जाना है कि क्या ये बिक्रियां तर्कसंगत ढंग से की गई हैं और सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु उपयुक्त हैं। प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक का यह दावा कि ये बिक्रियां सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु संगत नहीं हैं, को प्रथमदृष्टया स्वीकार नहीं किया जा सकता है। वस्तुतः प्रतिवादी निर्यातक प्राधिकारी के रूप में यह तय करने का प्रयास कर रहा है कि यह बिक्रियां संगत हैं अथवा नहीं।

10. तीसरे देशों को किए गए निर्यात संबंधी अतिरिक्त ब्यौरे भी समेकित रूप में हैं और इनमें देश-वार ब्यौरे या उन देशों के नाम भी दर्शाए नहीं गए हैं जिन्हें ये निर्यात किए गए थे। वस्तुतः उन्होंने मित्सुई एंड कंपनी लि. और सुमितोमो कार्पो. को ये आपूर्तियां करने का दावा किया है जो निश्चित रूप से जापानी कंपनियां हैं और जापान मूल की हैं, जिसका अन्य बातों के साथ-साथ यह अर्थ है कि वे इस सामग्री का कोई आयात नहीं कर रहे हैं बल्कि उन्हें केवल घरेलू बाजार में बेच रहे हैं।

11. उपर्युक्त कारकों पर विचार करते हुए प्राधिकारी अंतिम निर्धारण के लिए उक्त प्रतिवादी निर्यातक को असहयोगी मानते हैं। तथापि, यदि उक्त प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक प्रारंभिक जांच परिणामों के जारी होने के बाद संबंधित सूचना प्रस्तुत करना चाहता है तो प्राधिकारी उस पर विचार करेंगे कि क्या उनके प्राप्त होने पर अंतिम जांच परिणामों में इन पर विचार किया जाए अथवा नहीं।

मित्सुई कैमिकल्स, आई एन सी, जापान

12. प्राधिकारी यह समुक्ति करते हैं कि प्रतिवादी निर्यातक द्वारा उनके घरेलू बाजार में सबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्रियां घरेलू बिक्री कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्रतिनिधि कीमतें हैं और प्रतिवादी द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के अनुसार व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी परीक्षण भी सिद्ध होता है। अपने उत्तर में प्रतिवादियों ने अपने घरेलू बाजार में की गई बिक्रियों के सौदावार ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। इस प्रकार प्रदत्त सूचना पर व्यवहार्य सीमा तक संबद्ध वस्तु की पृथक भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत निर्धारित करने के लिए भरोसा किया गया है। व्यापार की सामान्य प्रक्रिया परीक्षण के निर्धारण के लिए

संबंधित उत्पाद की उत्पादन लागत को स्वीकार किया गया है। इसके अलावा, सभी घरेलू बिक्री सौदों की जांच संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के संदर्भ में की गई है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में रही थीं। इस बात पर विचार करते हुए कि उत्पादन लागत और बिक्री कीमत में तिमाही-वार भारी परिवर्तन होते रहते हैं। सामान्य मूल्य प्रत्येक तिमाही के लिए अलग-अलग परिकलित किया गया है। इसके अलावा, इस तथ्य पर विचार करते हुए कि भारत को निर्यात बिक्रियां केवल जनवरी, 09-मार्च 09 तिमाही के संबंध में की गई हैं। संबद्ध उत्पादक के लिए सामान्य मूल्य पर केवल इस तिमाही के लिए घरेलू बिक्रियों के संबंध में विचार किया गया है (80% से अधिक घरेलू बिक्रियां लाभप्रद बिक्रियां रही हैं) ताकि तिमाही वार तुलना के आधार पर पाटन के प्रभाव का आकलन किया जा सके और उचित तुलना सुनिश्चित हो। तथापि, प्रारंभिक निर्धारण के लिए इस स्तर पर तिमाही वार विश्लेषण किया गया है और यदि आवश्यकता पड़ती है तो प्रतिवादी निर्यातक के रिकॉर्डों के सत्यापन के बाद अंतिम निर्धारण के लिए इस पद्धति की समीक्षा की जा सकती है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम.डॉ. प्रति मी.टन बनता है।

असहयोगी निर्यातक

13. जांच अवधि के दौरान निविष्टियों की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर विचार करते हुए सहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य तिमाही वार आधार पर ज्ञात किया गया है। प्रतिवादी निर्यातक मै. मित्सुई कैमिकल आई एन सी के लिए अपनाए गए सामान्य मूल्य को जापान के सभी अन्य निर्यातकों के लिए अपनाया गया है।

थाईलैंड

थाईलैंड के लिए सामान्य मूल्य

सहयोगी निर्यातक

पीटीटी फेनोल कंपनी लि., उत्पादक तथा निर्यातक

14. प्रतिवादी निर्यातक ने याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई गई सी एन वी पद्धति पर प्रश्न उठाया है। प्राधिकारी देखते हैं कि यह मुद्दा इस तथ्य के मद्देनजर संगत नहीं है कि सामान्य मूल्य पर प्रतिवादी निर्यातक द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर प्रारंभिक निर्धारण हेतु विचार किया जा रहा है और न कि घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई परिकलित पद्धति को अपनाकर। उक्त प्रतिवादी निर्यातक द्वारा प्रदत्त सूचना पर विचार करते हुए प्रतिवादी निर्यातक द्वारा अप्रैल, 09 से जून, 09 की तिमाही में उनके घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्रियां लाभप्रद रही हैं और घरेलू बिक्री कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्रतिनिधि रही हैं और प्रतिवादियों द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के अनुसार व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी परीक्षण की शर्त भी पूरी होती है। जांच अवधि की अन्य दो तिमाहियों के संबंध में बिक्रियों को घाटे वाली बिक्रियां पाया गया था और इन दो तिमाहियों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन उत्पादन लागत जमा तर्कसंगत लाभ मार्जिन के आधार पर किया गया है। संबद्ध उत्पादक के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन समग्र जांच अवधि के लिए यथोक्त ढंग से तिमाही वार मूल्य के भारित औसत को लेकर किया गया है। सामान्य मूल्य को ऊपर उल्लिखित पद्धति के अनुसार निर्धारित किया गया है। तथापि, तिमाही वार विश्लेषण इस स्तर पर प्रारंभिक निर्धारण हेतु किया गया है और यदि आवश्यकता पड़ती है तो प्रतिवादी निर्यातकों के रिकॉर्डों के सत्यापन के पश्चात अंतिम निर्धारण में इस पद्धति की समीक्षा की जा सकती है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. बनता है।

असहयोगी निर्यातक

15. सामान्य मूल्य को तिमाही वार आधार पर ज्ञात किया गया है, इस श्रेणी के लिए सामान्य मूल्य पर एक ऐसी तिमाही के लिए निर्धारित मूल्य के रूप में विचार किया गया है जिसमें भारत में बिक्रियों की दृष्टि से सर्वाधिक पाटन मार्जिन पाया गया है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. बनता है।

निर्यात कीमत**जापान से सहयोगी निर्यातक के लिए निर्यात कीमत****मित्सुई कैमिकल्स इंक., जापान**

16. मै. मित्सुई कैमिकल आई एन सी-जापान (एम सी आई) द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु मै. मित्सुई एंड कंपनी लि., जापान ("एम बी के") और सुमितोमो कार्पोरेशन ("एस सी") के माध्यम से भारत को निर्यात की जाती हैं।

17. एम सी आई, एम बी के और एस सी को घरेलू बीजक के अनुसार अपने उत्पादों की बिक्री करता है जबकि एमबीके और एस सी अपनी संबद्ध कंपनियों के जरिए भारत को निर्यात करते हैं मैत्सुई कैमिकल आई एन सी जापान मित्सुई एंड कंपनी जापान (एम बी के) को एफ ओ बी आधार पर बिक्री करता है जो माल वहन की व्यवस्था करता है और मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर (एम ए पी) को सी एफ आर या सी आई एफ आधार पर इनकी बिक्री करता है। बाद में एम ए पी भारतीय उपभोक्ताओं को इनकी बिक्री करता है। भारत को औसत भारत निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़ा, निकासी और प्रहस्तन प्रभार, बैंक/ऋण प्रभार और निर्यातक द्वारा दावा किए गए कमीशन के संबंध में समायोजन किए गए हैं। तदनुसार निम्न निर्यात कीमत निम्नानुसार निर्धारित की गई है:

उत्पादक	निर्यातक	निर्यातित मात्रा (मी.ट.)	निर्यात कीमत (अम.डॉ./मी.ट.)
मै. मित्सुई कैमिकल इंक, जापान (एमसीआई)	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एम बी के) तथा मित्सुई एंड कं. (एशिया पैसिफिक) पीटीई लि., सिंगापुर	***	***

18. मै. सुमितोमो कार्पोरेशन, जापान, मै. मित्सुई कैमिकल्स आई एम सी जापान और मै. मित्सुबिशी कैमिकल कार्पो. जापान से सामग्रियों की खरीद करती है और मै. सुमितोमो कार्पोरेशन एशिया पी टी ई लि. सिंगापुर को उनकी बिक्री करती है। इसके बाद मै. सुमितोमो एशिया पी टी ई लि. सीधे यो सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात में आधारित असंबंधित कंपनियों के माध्यम से भारत को इन उत्पादों की बिक्री करता है। सुमितोमो कार्पोरेशन एशिया पी टी ई लि. ने अपने उत्तर में यह कहा है कि उसने मै. नोबल रिसोर्सेज पी टी ई लि., सिंगापुर के जरिए भारत को मै. मित्सुई कैमिकल्स आई एन सी जापान द्वारा उत्पादित *** मी.ट. फेनोल की बिक्री की है। मै. नोबल रिसोर्सेज ने भारत को उनके द्वारा निर्यातित वस्तुओं के लिए कोई पृथक उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। वह अंतिम निर्यात कीमत जिस पर मै.नोबल रिसोर्सेज पी टी ई लि., सिंगापुर द्वारा भारत को वस्तुओं का निर्यात किया गया है, प्राधिकारी को नहीं बताई गई हैं। उपर्युक्त कारकों पर विचार करते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि अनंतिम निर्धारण हेतु मै.नोबल रिसोर्सेज पी टी ई लि., सिंगापुर के लिए पृथक निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया जा सकता है। तथापि, यदि उक्त प्रतिवादी निर्यातक प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किए जाने के बाद संबंधित सूचना प्रस्तुत करना चाहता है तो प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या उनकी प्राप्ति पर अंतिम निर्धारण हेतु इन पर विचार किया जाए अथवा नहीं। इसी प्रकार जैसा कि उपर्युक्त पैरा 8 से 11 में स्पष्ट किया गया है, मै. मित्सुबिशी कैमिकल्स कार्पो., जापान के संबंध में सामान्य मूल्य उपलब्ध नहीं होने के मद्देनजर मै. सुमितोमो कार्पोरेशन एशिया पी टी ई लि. द्वारा भारत को किए गए मै. मित्सुई कैमिकल्स कार्पो., जापान द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद के निर्यातों के संबंध में अलग-अलग पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

जापान के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

19. इस श्रेणी के निर्यातकों के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की गणना करने के लिए जापान के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा बताई गई न्यूनतम निर्यात कीमत पर भरोसा किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए सहयोगी निर्यातकों के संबंध में अनुमत समायोजनों के समतुल्य समुद्री भाड़ा, निकासी और प्रहस्तन प्रभार, बैंक/ऋण प्रभार और कमीशन के संबंध में समायोजन किए गए हैं। उपर्युक्त पद्धति को अपनाकर कारखाना द्वार निर्यात कीमत को *** अम.डॉ. पी एम टी के रूप में परिकलित किया गया है।

थाईलैंड के प्रतिवादी निर्यातकों हेतु निर्यात कीमत पीटीटी फेनोल कंपनी लि., थाईलैंड

20. मै. पीटीटी फेनोल कं. लि. थाईलैंड ने भारत को संबद्ध वस्तुओं का सीधे और अपनी संबद्ध कंपनी मै. पी टी टी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड के जरिए निर्यात करने का दावा किया है। चूंकि निर्यातक सरलता से प्रत्यक्ष निर्यातों और अपनी संबद्ध कंपनी के जरिए निर्यातकों के बीच अदला-बदली कर सकता है इसलिए प्राधिकारी ने मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि., थाईलैंड द्वारा प्रत्यक्ष रूप से अथवा उसकी संबद्ध कंपनी मै. पी टी टी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड के माध्यम से किए गए निर्यातों के लिए एक निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन निर्धारित किया है। मै. पीटीटी फेनोल कं. लि. ने मित्सुई एंड कंपनी लि., जापान (एमबीके) के जरिए संबद्ध वस्तुओं का निर्यात भी किया है। एम बी के ने इसके बाद उसे मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पेसिफिक) पी टी ई लि. सिंगापुर (एम ए पी) को बेचा है और अंतिम रूप से एम ए पी ने संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात किया है।

21. भारत के लिए भारित औसत निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए निर्यातक द्वारा दावा किए गए समुद्री भाड़ा, निकासी और प्रहस्तन प्रभारों, बैंक/ऋण प्रभारों और कमीशन के संबंध में समायोजन किए गए हैं। तदनुसार निवल निर्यात कीमत को निम्नानुसार निर्धारित किया गया है। तथापि, प्रारंभिक निर्धारण के लिए उत्पादक मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि., थाईलैंड द्वारा सीधे या अपने संबद्ध व्यापारी मै. पी टी टी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड के माध्यम से किए गए निर्यातों के लिए केवल एक निर्यात कीमत, जो भारित औसत निवल निर्यात कीमत है, ज्ञात की गई है। प्राधिकारी प्रत्यक्ष और उपर्युक्त के अनुसार संबंधित पक्षकार के निर्यातों के संबंध में एक पृथक निवल निर्यात कीमत और परिणामी पाटन मार्जिन ज्ञात करने पर विचार कर सकते हैं यदि ऐसा वो अंतिम निर्धारण के समय आवश्यक और उपयुक्त समझते हों।

उत्पादक	निर्यातक	निर्यातित मात्रा (एम.टी.)	निवल निर्यात कीमत (अम.डॉ./मी.ट.)
मै. पीटीटी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड	मै. पीटीटी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड / मै. पीटीटी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड	***	***
मै. पीटीटी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एमबीके) एंड मित्सुई एंड कं.(एशिया पेसिफिक) पी टी ई लि., सिंगापुर	***	***

थाईलैंड के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

22. थाईलैंड के प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक द्वारा सामान्य मूल्य के संबंध में एक तिमाही में बताई गई न्यूनतम निर्यात कीमत पर कारखाना द्वार निर्यात कीमत की गणना हेतु भरोसा किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए समुद्री भाड़ा, निकासी और प्रहस्तन प्रभार, बैंक/ऋण प्रभार और कमीशन के संबंध में समायोजन किए गए हैं। उपर्युक्त पद्धति को अपना कर कारखाना द्वार निर्यात कीमत

*** अम.डॉ. पी एम टी के रूप में परिकल्पित की गई है ।

पाटन मार्जिन

23. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमतों के आधार पर संबद्ध देशों से निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नांकित तालिका के अनुसार निर्धारित किया जाता है;

अम.डॉ./मी.ट.

उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन (%)
मै. मित्सुई कैमिकल आईएनसी, जापान (एम सी आई)	मित्सुई एंड कं., लि., जापान (एमबीके) तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक) पीटीई. लि., सिंगापुर	***	***	***	25-30%
जापान से अन्य सभी निर्यातक	जापान से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	35-40%
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड	मै. पीटीटी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड / मै. पीटीटी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड	***	***	***	25-30%
मै. पीटीटी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एमबीके) एंड मित्सुई एंड कं. (एशिया पैसिफिक) पीटीई. लि., सिंगापुर	***	***	***	5-10%
थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	40-45%

24. इस प्रकार अनंतिम रूप से निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक और निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है ।

क्षति निर्धारण और कारणात्मक संबंध की जांच की पद्धति

घरेलू उद्योग के विचार

25. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं: -

- जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से निर्यात कीमत पाटित स्तर पर रही है । इसके अलावा, ये कीमतें निविष्टियों की कीमतों से भी अधिक घट गई हैं ।
- घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री मात्राओं और क्षमता उपयोग में 2007-08 तक सुधार प्रदर्शित होने के बाद गिरावट आई है ।
- घरेलू उद्योग के लाभ/हानि (पी बी टी, पी बी आई टी और पी बी डी आई टी) इन सभी में 2007-08 में हुए सुधार के बाद गिरावट आई है, यहां तक कि ये ऋणात्मक हो गए हैं ।
- घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मामूली गिरावट आई है । ऐसा इस तथ्य के कारण हुआ है कि पाटित आयातों ने भारत में मांग के काफी बड़े बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया है ।
- प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कीमत कटौती हो रही है ।
- संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान अपनी कीमतों को तेजी से घटाने के लिए बाध्य होना पड़ा है । इस प्रकार, आयातों से इस अवधि के दौरान कीमतों में कमी

आई है ।

- छ) घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में मामूली गिरावट के अलावा कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है ।
- ज) वेतन और मजदूरी :- घरेलू उद्योग के वेतन और मजदूरी स्तर में उत्पादन के निम्न स्तर के कारण कमी आई है ।
- झ) नांग और बाजार हिस्सा:- यद्यपि, आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है, तथापि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है ।
- ञ.) वृद्धि:- अनेक मापदंडों की दृष्टि से घरेलू उद्योग की वृद्धि में ऋणात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है ।
- ट) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है और वह मात्रात्मक प्रभाव और कीमत प्रभाव के दुष्प्रकार में फंस गया है । विदेशी उत्पादकों की अधिक क्षमता के परिणाम स्वरूप भारतीय बाजार में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा में वृद्धि के साथ घरेलू उद्योग को बिक्री में घाटा और बाजार हिस्से में नुकसान उठाना पड़ा है । इससे प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव पड़ा है । बिक्रियों को गंवाए जाने से घरेलू उद्योग को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री करने के लिए घरेलू बिक्री कीमत को घटाना पड़ा है । इस प्रकार, इसके परिणामस्वरूप कीमत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । फलस्वरूप घरेलू उद्योग को निर्यातक देशों की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं के परिणामस्वरूप प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव और प्रतिकूल कीमत प्रभाव का सामना करना पड़ा है ।
- ठ) संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा पहले से उठाई जा रही वास्तविक क्षति में और वृद्धि हो गई है ।
- ड) आयात मात्राओं में समग्र रूप से भारी वृद्धि हुई है । आयातों में यह वृद्धि घरेलू उद्योग द्वारा अपने उत्पाद को उप-ईष्टतम कीमतों पर बेचे जाने के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद हुई है । यदि घरेलू उद्योग ने कम कीमतों पर अपने उत्पाद को बेचने के प्रयास नहीं किए होते, तो आयातों में हुई वृद्धि और अधिक होती ।
- ढ) कीमत कटौती काफी अधिक है । समतुल्य कीमतों पर बिक्री के बावजूद घरेलू उत्पाद और आयातित उत्पाद के बीच कीमत अंतर सकारात्मक है । संबद्ध उत्पाद की प्रकृति को देखते हुए घरेलू उत्पाद और आयातित उत्पाद के बीच कोई भी कीमत अंतर उपभोक्ताओं को स्वीकार्य नहीं है और घरेलू उद्योग निरंतर कीमत घटाने के दबाव में है । घरेलू उद्योग आयातित कीमतों से काफी अधिक कीमतों पर बिक्री नहीं कर सकता है । घरेलू उद्योग के पास एकमात्र विकल्प इसके बराबर कीमतों पर बिक्री करने का है । थोड़ा सा कीमत अंतर भी इस प्रकार के उत्पाद के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है ।

प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के विचार

26. पी टी टी फेनोल कंपनी लि., थाईलैंड और मै. मित्सुई एंड कंपनी जापान तथा मै. मित्सुई एंड कंपनी पी टी ई लि., सिंगापुर के विचारों को दर्शाने वाले ई एल पी में निम्नानुसार अनुरोध किया गया है :

- क. क्षति संबंधी विश्लेषण मूल याचिका में प्रदत्त आंकड़ों के आधार पर किया जा सकता है, जिनके आधार पर यह मामला शुरू किया गया था और न कि संशोधित जांच अवधि के आंकड़ों के आधार पर
- ख. याचिका में दिए गए क्षति संबंधी आंकड़े केवल याचिकाकर्ताओं के लिए दिए गए हैं और न कि याचिका के समर्थक के लिए ।
- ग. वर्ष 2008-09 के दौरान याचिकाकर्ता का क्षमता उपयोग लाइसेंस प्राप्त स्थापित क्षमता से अधिक रहा है ।
- घ. वित्त वर्ष 2008-09 में बिक्री मात्रा में 6.4% की मामूली गिरावट आई है और उसे क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है ।

- ड. बिक्री मूल्य में गिरावट बेंजीन की कीमतों में आई गिरावट के कारण हुई है और इस प्रकार यह उत्पादन लागत में गिरावट से सीधे संबंधित है ।
- च. वित्त वर्ष 2008-09 के दौरान औसत माल सूचियों में सर्वकालिक न्यूनतम स्तर की गिरावट आई है ।
- छ. वित्त वर्ष 2007-08 की तुलना में वित्त वर्ष 2008-09 के दौरान लाभप्रदता में गिरावट के लिए पाटन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है ।
- ज. रोजगार स्तरों में गिरावट किसी संगठन की एक सामान्य विशेषता होती है ।
- झ. इन वर्षों के दौरान मजदूरी में वृद्धि हुई है और वित्त वर्ष 2008-09 में यह सर्वाधिक रही है ।
- ञ. 2008-09 के दौरान घटी हुई मांग के बावजूद घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है ।
27. मित्सुबिसी कैमिकल कार्पोरेशन जापान का प्रतिनिधित्व करने वाले मै. जे सागर एंड एसोसिएट्स, ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. घरेलू उद्योग की बिक्रियों में केवल मामूली गिरावट आई है और शायद थाईलैंड से हुए आयातों और न कि जापान से हुए आयातों के कारण ऐसा हुआ है और जापान से निर्यातों का कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है ।
- ख. घरेलू उद्योग के उत्पादन में कोई भारी परिवर्तन नहीं हुआ है । वे पूर्ण अथवा क्षमता से अधिक स्तर पर प्रचालन कर रहे हैं ।
- ग. लाभ/हानि की प्रवृत्ति पाटित आयातों से संबंधित प्रतीत नहीं होती है क्योंकि इस अवधि के दौरान जापान से आयातों में वृद्धि के बावजूद वर्ष 2007-08 के दौरान लाभों में भारी वृद्धि हुई थी ।
- घ. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वर्ष 2008-09 के दौरान 8.9% तक मांग में हुई कमी के अनुक्रम में कमी आई थी और न कि पाटित आयातों के कारण ।
- ड. याचिकाकर्ता और समर्थक के बाजार हिस्से में जांच अवधि के दौरान कोई वास्तविक परिवर्तन दिखाई नहीं देता है । यद्यपि, जापान से हुए आयातों के बाजार हिस्से में मामूली वृद्धि हुई है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

28. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों को नोट किया है और रिकॉर्ड में उपलब्ध और लागू कानून के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की क्षति का विश्लेषण किया है । इसके अलावा, समर्थक के संबंध में क्षति संबंधी अनुरोधों का मुद्दा नियमों में कहीं भी उल्लिखित नहीं है । तथापि, प्राधिकारी ने क्षति संबंधी विश्लेषण करने से पहले समर्थक से आंकड़े मंगाए थे, जिसने अब तक उन्हें प्रस्तुत नहीं किया है । जहां तक क्षति संबंधी विश्लेषण का प्रश्न है, प्राधिकारी द्वारा जांच अवधि निर्धारित की गई है और इसलिए क्षति संबंधी विश्लेषण हेतु जांच अवधि के दौरान हुई क्षति पर विचार किया गया है ।

क्षति का संचयी आकलन

29. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II पैरा (iii) में यह उपबंध है कि जब एक से अधिक देश से हुए किसी उत्पाद के आयात की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी के लिए केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का निर्धारण अपेक्षित होगा जब वह यह निर्धारित करे कि :-

- (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात 3% से कम है वहां आयातों का संचयी हिस्सा समान वस्तु के आयातों के 7% से अधिक है, और
- (ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

30. प्राधिकारी ने यह अवलोकन किया है कि:

- प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन ऊपर निर्धारित सीमाओं से अधिक है ;
- आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना सही है क्योंकि संबद्ध देशों से हुए निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई समान वस्तु से सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं । यह बात निम्नलिखित से स्पष्ट होती है :

- क. संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु परस्पर और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद की तुलना में तुलनीय विशेषताएं रखती है । दूसरे शब्दों में विभिन्न संबद्ध देशों से आपूर्ति की गई संबद्ध वस्तु और घरेलू उद्योग की वस्तु परस्पर समान वस्तुएं हैं ।
- ख. प्राधिकारी को प्रस्तुत की गई सूचना से तर्कसंगत ढंग से यह संकेत मिलता है कि ऐसे सांझे पक्षकार हैं जो विभिन्न स्रोतों से आयातित सामग्री और घरेलू सामग्री का उपयोग कर रहे हैं । आयातित और घरेलू सामग्रियां इस प्रकार एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग की जा रही हैं और घरेलू उत्पाद तथा आयातित उत्पाद और परस्पर आयातित उत्पाद के बीच प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा होती है ।
- ग. संबद्ध देशों में से प्रत्येक से आयात की मात्रा काफी अधिक है ।
- घ. उपभोक्ता विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा पेशकश की गई कीमतों के आधार पर खरीद संबंधी निर्णय लेते हैं ।

31. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातित उत्पाद और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में थाईलैंड और जापान से संबद्ध वस्तु के आयातों के घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर पड़ने वाले प्रभाव का संचयी आकलन करना सही है ।

32. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में इन दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच की व्यवस्था है, (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव । पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है । पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव

अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती ।

33. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा ।"

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

34. प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस तथा वर्ल्ड ट्रेड एटलस से संबद्ध वस्तु के आयातों के सौदावार आंकड़े एकत्र किए थे । प्राधिकारी ने इस अवधि के दौरान आयातों की मात्रा के साथ प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा बताए गए निर्यातों की मात्रा को भी मिलाया है । थाईलैंड और जापान के प्रतिवादी निर्यातकों ने डी जी सी आई एंड एस और डब्ल्यू टी ओ तथा याचिकाकर्ता द्वारा अपनाए गए आई बी आई एस आंकड़ों की तुलना में जांच अवधि के दौरान आयातों की अपेक्षाकृत कम मात्रा दर्शायी है । इसके अलावा डी जी सी आई एंड एस, आंकड़ा स्रोत और वर्ल्ड ट्रेड एटलस में दर्शाए गए आयात आई बी आई एस आंकड़ा स्रोत में बताए गए आयातों से अधिक है । अतः मात्रा संबंधी विश्लेषण डी जी सी आई एंड एस द्वारा बताए गए आंकड़ों के आधार पर निम्नानुसार किया गया है :-

आयात मात्रा तथा संबद्ध देश का हिस्सा

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9माह)	जांच अवधि वार्षिकीकृत
जापान	मी.ट.	531:63	6,244	18,226	12,920	17,226
थाईलैंड	मी.ट.	0	0	20,498	28,285	37,713
संबद्ध देश	मी.ट.	531.63	6,244	38,724	41,204	54,939
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	1,174	7,284	10,334	10,334
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	मी.ट.	63,337	88,447	51,894	35,301	47,068
अन्य देश	मी.ट.	2,687	8,180	2299.12	1616.51	2,155
कुल आयात	मी.ट.	66,556	1,02,871	92,918	78,122	1,04,163
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	155	140	157	157

आयातों में बाजार हिस्सा	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9एम)	जांच अवधि वार्षिकीकृत
जापान	%	0.80%	6.07%	19.62%	16.54%	16.54%
थाईलैंड	%	0.00%	0.00%	22.06%	36.21%	36.21%
संबद्ध देश	%	0.80%	6.07%	41.68%	52.74%	52.74%
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	%	95.16%	85.98%	55.85%	45.19%	45.19%
अन्य देश	%	4.04%	7.95%	2.47%	2.07%	2.07%

कुल आयात	%	100%	100%	100%	100%	100%
डी आई का उत्पादन	मी.ट.	40,733	41,908	42,641	24,719	32,959
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	531.63	6,244	38,724	41,204	54,939
भारतीय उत्पादन के प्रतिशत रूप में संबद्ध देशों से हुए आयात	%	1.31%	14.90%	90.81%	166.69%	166.69%

35. उपर्युक्त तालिका में दर्शाए गए आंकड़ों के अनुसार :

क. संबद्ध देशों से संचयी आयातों में समग्र रूप से और भारत में आयातों की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है।

ख. संबद्ध देश से आयातों में भारत में उत्पादन और खपत की दृष्टि से आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। संबद्ध देश से हुए आयातों में घरेलू उद्योग के उत्पादन की दृष्टि से वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। संबद्ध देशों से हुए आयात आधार वर्ष में भारतीय उत्पादन के संबंध में 1.31% थे जो जांच अवधि में काफी अधिक बढ़कर 166.69% हो गए।

ग. मांग, उत्पादन तथा बाजार हिस्सा

मांग, उत्पादन तथा बाजार हिस्सा	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9एम)	जांच अवधि वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग	मी.ट.	41,009	43,723	40,924	26694	35,592
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	100	87	87
सहयोगी	मी.ट.	26,918	29,247	31,451	22818	30,424
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	117	113	113
आयात-संबद्ध देश	मी.ट.	531.63	6,244	38,724	41,204	54,939
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	मी.ट.	63,337	88,447	51,894	35,301	47,068
अन्य देश	मी.ट.	2,687	8,180	2,299	1,617	2,155
कुल मांग	मी.ट.	1,34,484	1,75,841	1,65,292	1,27,634	1,70,179
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	123	127	127
मांग में बाजार हिस्सा						
घरेलू उद्योग	%	30.49%	24.87%	24.76%	20.91%	20.91%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82	81	69	69
सहयोगी	%	20.02%	16.63%	19.03%	17.88%	17.88%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	83	95	89	89
संबद्ध देश	%	0.40%	3.55%	23.43%	32.28%	32.28%
अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	%	47.10%	50.30%	31.40%	27.66%	27.66%
अन्य देश	%	2.00%	4.65%	1.39%	1.27%	1.27%

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

क. संबद्ध वस्तु की मांग घरेलू बिक्रियों तथा सभी देशों से हुए समस्त आयातों को जोड़कर निर्धारित की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की मांग में आधार वर्ष से जांच अवधि तक वृद्धि होती रही है। मांग में आधार वर्ष अर्थात् 2006-07 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 27% तक की वृद्धि हुई थी।

ख. संबद्ध देशों से हुए आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है जबकि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग का हिस्सा जो 2006-07 में 100 (सूचीबद्ध) के स्तर पर था, जांच अवधि के दौरान घटकर 69 (सूचीबद्ध) रह गया। इसी अवधि के दौरान संबद्ध देश से हुए आयातों का हिस्सा जो 2006-07 में 0.40% था, जांच अवधि के दौरान बढ़कर 32.28% हो गया। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों ने मांग में हुई वृद्धि के काफी हिस्से पर कब्जा कर लिया है।

घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9 माह)	जांच अवधि वार्षिकीकृत
स्थापित क्षमता	मी.ट.	40,000	40,000	40,000	30000	40,000
उत्पादन	मी.ट.	40,733	41,908	42,641	24719	32,959
क्षमता उपयोग	%	101.83	104.77	106.60	82.40	82.40

37. घरेलू उद्योग के क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग संबंधी आंकड़े दर्शाते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता 40,000 मी.ट. के स्तर पर अपरिवर्तित रही है। संबद्ध वस्तु का उत्पादन जो 2008-09 तक बढ़ रहा था, में जांच अवधि के दौरान 32959 मी.ट. तक भारी गिरावट आई थी। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग जो 2006-07 के दौरान 101.83% था और 2008-09 में बढ़कर 106.60% हो गया था, वह तत्पश्चात् तेजी से घटकर 82.40% रह गया।

घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा

	इकाई	2006-	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9 माह)	जांच अवधि वार्षिकृत
बिक्री	मी.ट.	41,009	43,723	40,924	26694	35,592
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	100	87	87

38. घरेलू उद्योग के बिक्री संबंधी उपर्युक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि जांच अवधि के दौरान बिक्रियों में आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष 2008-09 की तुलना में भी 13% तक की गिरावट आई थी।

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

39. नियम 18 के उप नियम (2) में यथा संदर्भित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा महत्वपूर्ण स्तर तक बढ़ गई होती।

40. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़े प्रभाव की कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत हास और कीमत न्यूनीकरण यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एन एस आर) और क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच लागत के साथ की गई है।

पाटित आयातों का कीमत हास तथा न्यूनीकरण प्रभाव:

41. पाटित आयातों के कीमत हास और कीमत न्यूनीकरण संबंधी प्रभाव की भी उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति और संबद्ध देश से पहुंच कीमत के संबंध में जांच की गई है।

	इकाई	2006-	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9 माह)	जांच अवधि
बिक्री की लागत	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	84	89	78	78
बिक्री कीमत(एनएसआर)	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	94	73	73

42. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में आई गिरावट आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्री लागतों में हुई गिरावट से अधिक है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि बिक्रियों की लागत में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 22% की कमी आई थी जबकि जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 27% तक की भारी कमी आई थी जिससे यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग बिक्री लागत के अनुरूप बिक्री कीमत प्राप्त नहीं कर सका था और इस प्रकार कीमत में भारी कमी हुई थी। यह स्थिति बिल्कुल उलट हो जाती है जब आधार वर्ष 2006-07 की तुलना 2007-08 और 2008-09 की प्रवृत्तियों के साथ की जाती है। जब घरेलू उद्योग बिक्री लागतों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक वसूली कर रहा है, परंतु जांच अवधि में यह प्रवृत्ति बिल्कुल उलट हो गई और बिक्री प्राप्ति बिक्री लागतों से भी कम हो गई।

कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री प्रभाव

कीमत कटौती

उत्पादक	निर्यातक	घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति (रु./मी.ट.)	पहुंच मूल्य (रु./मी.ट.)	कीमत कटौती (रु./मी.ट.)	कीमत कटौती (%)
मै. मित्सुई कैमिकल आई एन सी, जापान (एम सी आई)	मित्सुई एंड कं., लि., जापान (एमबीके) तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक) पीटीई. लि., सिंगापुर	***	***	***	25-30%
जापान से अन्य सभी निर्यातक	जापान से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	30-35%
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड	मै. पीटीटी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड / मै. पीटीटी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड	***	***	***	25-30%

मै. पीटीटी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एमबीके) और मित्सुई एंड कं. (एशिया पैसिफिक) पीटीई. लि., सिंगापुर	***	***	***	10-15%
थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	30-35%

43. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति ज्ञात करते समय घरेलू उद्योग द्वारा दी गई रिबेटों, छूटों और कमीशनों तथा प्रदत्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को घटाया गया है। आयातों के पहुंच मूल्य की गणना 1% पहुंच प्रभार और प्रत्येक प्रतिवादी निर्यातक द्वारा यथा उल्लिखित संबद्ध देशों से निर्यात/सीआईएफ कीमतों में लागू मूल सीमा शुल्क को जोड़कर की गई है। अन्य श्रेणी के लिए पहुंच मूल्य के निर्धारण हेतु अवशिष्ट श्रेणी के लिए पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए विचार किए गए निर्यात सौदों को ध्यान में रखा गया है।

44. यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिसके परिणामस्वरूप भारी कीमत कटौती हुई है।

कम कीमत पर बिक्री

उत्पादक	निर्यातक	घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत (रु./मी.ट.)	पहुंच मूल्य (रु./मी.ट.)	कम कीमत पर बिक्री (रु./मी.ट.)	कम कीमत पर बिक्री (%)
मै. मित्सुई कैमिकल आई एन सी, जापान (एम सी आई)	मित्सुई एंड कं., लि., जापान (एमबीके) तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पैसिफिक) पीटीई. लि., सिंगापुर	***	***	***	25-30%
जापान से अन्य सभी निर्यातक	जापान से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	30-35%
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड	मै. पीटीटी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड / मै. पीटीटी पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड	***	***	***	25-30%
मै. पीटीटी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एमबीके) और मित्सुई एंड कं. (एशिया पैसिफिक) पीटीई. लि., सिंगापुर	***	***	***	10-15%
थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	30-35%

45. कम कीमत पर बिक्री के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए घरेलू उद्योग हेतु निर्धारित क्षति रहित कीमत के साथ की गई है। यह दर्शाती है कि कम कीमत पर बिक्री काफी अधिक रही थी।

घरेलू उद्योग के अन्य आर्थिक मापदंडों की जांच

46. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत तथा प्रमुख क्षति संबंधी संकेतकों जैसे आयातों की मात्रा और मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा विभिन्न खंडों के बाजार हिस्सों के साथ मांग की प्रवृत्ति की पूर्ववर्ती भाग में जांच करने के पश्चात अन्य आर्थिक मापदंडों जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी का संकेत मिल सकता है, का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:

लाभ तथा नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9 माह)	जांच अवधि वार्षिकृत
बिक्री की लागत	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	84	89	78	78
बिक्री कीमत (एनएसआर)	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	94	73	73
लाभ/हानि	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	1,251	241	(473)	(473)
करपूर्व लाभ/हानि	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	1,334	241	(411)	(411)
पीबीआईटी	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	8,167	1,847	(1,969)	(1,969)
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	1,495	275	(452)	(452)

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में काफी गिरावट आई है। घरेलू उद्योग वर्ष 2006-07 से वित्तीय घाटे उठा रहा है। वर्ष 2007-08 में लाभप्रदता में पर्याप्त सुधार हुआ और कंपनी को उस अवधि में संबद्ध वस्तु की बिक्री पर लाभ हुआ। कंपनी की वित्तीय स्थिति इसके बाद से खराब हो गई और 2008-09 के दौरान लाभ में भारी गिरावट आई और तत्पश्चात जांच अवधि के दौरान उसे वित्तीय घाटे उठाने पड़े। जांच अवधि में उठाए गए वित्तीय घाटे आधार वर्ष के घाटों से अधिक रहे थे। घरेलू उद्योग के ब्याज और कर से पहले घरेलू बिक्रियों पर होने वाले लाभ (पी बी आई टी) और नकद लाभों में इसी तरह की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई।

निवेश पर आय और पूंजी जुटाने की क्षमता

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9 माह)	जांच अवधि वार्षिकृत
पीबीआईटी	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	8,167	1,847	(1,969)	(1,969)
निवल स्थिर परिसंपत्तियां	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	79	79	79
कार्यशील पूंजी	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	103	80	80
कार्यशील पूंजी	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	98	80	80
लगाई गई पूंजी पर आय	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	8,177	1,884	(2,256)	(2,256)

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित पूंजी पर अर्जित आय में भी लाभप्रदता जैसी ही प्रवृत्ति दिखाई दी थी।

उत्पादकता

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9 माह)	जांच अवधि वार्षिकृत
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	108	83	83

49. प्रति कर्मचारी उत्पादकता संबंधी आंकड़े दर्शाते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में उनमें 17% तक की गिरावट आई ।

रोजगार तथा मजदूरी

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9 माह)	जांच अवधि वार्षिकृत
रोजगार (मानव शक्ति)	सं.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	97	97	97
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	104	87	87

50.

रोजगार के स्तर में कोई खास परिवर्तन प्रदर्शित नहीं हुआ है । सूचीबद्ध रूप में इसमें आधार वर्ष से जांच अवधि के दौरान 3% तक की गिरावट आई । मजदूरी जिसमें आधार वर्ष की तुलना में 2008-09 में 4% की वृद्धि हुई थी, जांच अवधि के दौरान उसमें गिरावट आई ।

माल सूची

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (9 माह)	जांच अवधि वार्षिकृत
आरंभिक स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***	***
बिक्री दिवसों की स. की दृष्टि से औसत स्टॉक	सं.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	55	55	68	68

51. संबद्ध वस्तु की मालसूची के स्तरों के बारे में सूचना उपर्युक्त तालिका में दी गई है । यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तु की माल सूची के स्तर में आधार वर्ष की तुलना में गिरावट आई है परंतु 2008-09 की तुलना में जांच अवधि में इसमें मामूली वृद्धि हुई है ।

वृद्धि

52. उत्पादन और क्षमता उपयोग में वृद्धि 2008-09 तक सकारात्मक रही थी और घरेलू बिक्रियों में यह 2007-08 तक सकारात्मक रही थी । तथापि, जांच अवधि के दौरान इसमें काफी कमी आई थी जो आधार वर्ष के स्तरों से भी कम हो गई थी । घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष से जांच अवधि के दौरान मांग में सकारात्मक वृद्धि के बावजूद उत्पादन और घरेलू बिक्रियों में नकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है । घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में जांच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है । जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में भी निवेश पर आय और नकद लाभ की दृष्टि से गिरावट आई है । यह भी देखा जाता है कि बिक्री कीमतों में जांच अवधि के दौरान बिक्री लागत से भी अधिक गिरावट आई है और इसके कारण भारी

मूल्य हास हुआ है । इसके अलावा, संबद्ध वस्तु के आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती कर रहे हैं । कम कीमत पर बिक्री भी काफी अधिक रही थी ।

निवेश

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष से जांच अवधि तक संबद्ध वस्तु की क्षमता में कोई परिवर्तन नहीं किया था । जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कोई नया निवेश नहीं किया गया है । आगे निवेश करने की किसी योजना का कोई साक्ष्य प्राधिकारी की जानकारी में नहीं आया है ।

पाटन की मात्रा

54. उस मात्रा जहां तक आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकते हैं, के एक संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा यह दर्शाती है कि संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन जांच अवधि के दौरान काफी अधिक रहा है ।

कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

55. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में पहले ही यह देखा गया है कि आयातों से घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है । घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और बिक्री कीमत की तुलना यह दर्शाती है कि आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में भी कमी आ रही है । यह पाया गया था कि जांच अवधि में प्रति मी.ट. पहुंच मूल्य फेनोल निवल बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत दोनों से अधिक कम रहा था जिसके कारण भारतीय बाजार में कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई थी । आयातित उत्पाद की कीमत और घरेलू उद्योग की कीमत के बीच कीमत अंतर के परिणामस्वरूप आयातों ने संबद्ध वस्तु की भारतीय मांग में हुई वृद्धि के अधिकांश हिस्से पर कब्जा जमा लिया ।

क्षति संबंधी निष्कर्ष

56. उपर्युक्त क्षति संबंधी मापदंडों की जांच से यह पता चलता है कि मांग में समग्र वृद्धि होने के बावजूद आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री दोनों में गिरावट आई है । आधार वस्तु की तुलना में जांच अवधि संबद्ध वस्तु की मांग में 27% की वृद्धि हुई है । इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों में 13% की गिरावट आई है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग संबद्ध देशों से आयातों की मौजूदगी के कारण बाजार में मांग में हुई वृद्धि का लाभ नहीं उठा सका है । बिक्री लागत में 22% की कमी आई है जबकि बिक्री मूल्य में 27% की गिरावट आई है । इसके परिणामस्वरूप वित्तीय घाटों (पी बी आई टी) में आधार वर्ष में (100) (सूचीबद्ध) से जांच अवधि में (1969) (सूचीबद्ध) तक की गिरावट आई है और निवेश पर आय में आधार वर्ष में (100) (सूचीबद्ध) से (2256) (सूचीबद्ध) तक की गिरावट आई है । इस प्रकार आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग के वित्तीय कार्य निष्पादन में भारी गिरावट आई है ।

57. इस उत्पाद के आयातों और घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की जांच से स्पष्ट रूप से यह पता चलता है कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों में समग्र रूप से और भारत में उत्पादन तथा खपत की दृष्टि से भी वृद्धि हुई है । आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती की जा रही है और पाटित कीमतों का प्रभाव बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को कम करना रहा था । घरेलू बिक्री कीमतें बिक्री लागतों में हुई कमी से अधिक कम हुई हैं । इसके अलावा, भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की गई है और ऐसे आयातों के परिणामस्वरूप ऐसी कीमत वृद्धि नहीं हो पाई है जो अन्यथा महत्वपूर्ण स्तर तक बढ़ गई होती । घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय की दृष्टि से आधार वर्ष की तुलना में गिरावट आई है । आयातों से घरेलू कीमतें प्रभावित हो रही हैं । यह भी नोट किया जाता है कि उत्पादन, बिक्रियों, लाभ और नियोजित पूंजी पर आय में मांग में वृद्धि के परिणामस्वरूप सुधार होना चाहिए था तथापि बजाए इसके

इन सभी में भारी कमी आई है जिससे यह संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है जैसा कि आधार वर्ष से आगे की प्रवृत्तियों में देखा जा सकता है ।

58. उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उत्पादन, बिक्री मात्रा, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, कीमतों, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ को प्रभावित करने वाले कारकों की दृष्टि से गिरावट आई है और इस प्रकार इससे संचयी और समग्र रूप से पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है ।

कारणात्मक संबंध और अन्य कारक

59. वास्तविक क्षति की मौजूदगी और घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों द्वारा उनकी कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री और कीमत ह्रास तथा कीमत न्यूनीकरण प्रभावों तथा भारतीय नियमों और पाटनरोधी करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मापदंडों की दृष्टि से पड़ने वाले मात्रात्मक और कीमत प्रभावों की जांच यह देखने के लिए की गई है कि क्या पाटित आयातों से इतर किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है । इस संबंध में संगत कारकों में अन्य के साथ-साथ पाटित कीमतों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमतें मांग में संकुचन या खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास और घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन और उत्पादकता शामिल हैं । इस बात की जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध इन अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है । यह नोट किया गया था कि :

- i) उन आयातों की मात्रा की कीमतें जिन्हें पाटित कीमतों पर नहीं बेचा गया था
आयात आंकड़ों से यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से लगभग 53% आयात हुए हैं और अन्य देशों, जिन पर पहले से पाटनरोधी शुल्क लागू है से 45% आयात हुए हैं । अन्य देशों, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं है से हुए आयात केवल 2% रहे हैं अतः अन्य देशों से हुए आयातों से घरेलू बाजार की कीमतें प्रभावित नहीं हुई हैं । ;
- ii) मांग में संकुचन और/या खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन
संबद्ध वस्तु की मांग में संपूर्ण क्षति जांच अवधि के दौरान एक स्वस्थ वृद्धि देखी गई है और इसलिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का देश में मांग में कमी से कोई लेना-देना नहीं है । खपत और मांग संबंधी आंकड़े उत्पाद की खपत की प्रवृत्ति में कोई परिवर्तन नहीं दर्शाते हैं और यह घरेलू उद्योग को क्षति का कारक नहीं रहे हैं ।
- iii) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं तथा विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा
ये वस्तुएं मुक्त रूप से आयात योग्य हैं । आवेदक संबद्ध वस्तु के प्रमुख उत्पादक हैं और घरेलू उत्पादन और बिक्रियों में उनका पर्याप्त हिस्सा है । प्राधिकारी की जानकारी में प्रतिस्पर्धा की स्थिति या व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं का कोई साक्ष्य नहीं आया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का एकमात्र बाजार है, जहां संबद्ध देशों से हुए पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान वस्तुएं हैं और आयातित उत्पाद की बिक्री घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु के समान अनुप्रयोगों/अंतिम उपयोगों को पूरा करने के लिए की जाती है ।
- iv) प्रौद्योगिकी में विकास
याचिकाकर्ता के रिकॉर्डों की जांच के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि प्रौद्योगिकी में विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संगत कारक नहीं रहा है ।

v) निर्यात निष्पादन

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने कोई निर्यात नहीं किया है। अतः विभिन्न आर्थिक संकेतकों के संबंध में कार्य निष्पादन को केवल घरेलू बिक्रियों की दृष्टि से निर्धारित किया गया है। इस प्रकार प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के परिणामस्वरूप नहीं हो सकती है।

vi). घरेलू उद्योग की उत्पादकता

प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान गिरावट प्रदर्शित हुई है जिसका कारण इस अवधि के दौरान कुल मांग में आई गिरावट है।

vii) ऐसा कोई अन्य कारक जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो, प्राधिकारी की जानकारी में नहीं लाया गया है।

60. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति प्रदर्शित नहीं होती है, तथापि, निम्नलिखित मापदंड यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है:

क. आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रही थी। इसके परिणामस्वरूप कीमत कटौती हुई। उपभोक्ताओं ने आयातों की अधिक मात्रा का सहारा लिया। इस प्रकार घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई।

ख. बाजार हिस्से में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग अपने उत्पादन और क्षमता उपयोग में वृद्धि नहीं कर पाया है।

ग. आयातों की पहुंच कीमत से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हुई है। संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण भारतीय बाजार में कम कीमत पर बिक्री की गई है। परिणामस्वरूप अपेक्षाकृत कम आयात कीमतों के कारण घरेलू उद्योग अपनी कीमतों में वृद्धि नहीं कर सका है।

घ. आयातों के कीमत न्यूनीकरण प्रभाव के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है और परिणामस्वरूप निवेश पर आय और नकद प्रवाह में गिरावट आई। इस प्रकार लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभों में गिरावट स्पष्ट रूप से बाजार में पाटित आयात में मौजूदगी के कारण आई है।

ङ. जांच अवधि में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में जबरदस्त गिरावट स्पष्ट रूप से बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण आई है।

61. अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि संबद्ध देशों के मूल के पाटित आयातों के कारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

क्षति मार्जिन की मात्रा

62. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग के लिए संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत निर्धारित की है। घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन

निर्धारित करने के लिए संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । ज्ञात किया गया क्षति मार्जिन निम्नानुसार है :-

उत्पादक	निर्यातक	घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत (रु./मी.ट.)	पहुंच मूल्य (रु./मी.ट.)	क्षति मार्जिन (रु./मी.ट.)	क्षति मार्जिन (%)
मै. मित्सुई कैमिकल आई एन सी, जापान (एम सी आई)	मित्सुई एंड कं., लि., जापान (एमबीके) तथा मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पसिफिक) पीटीई. लि., सिंगापुर	***	***	***	35-40%
जापान से अन्य सभी निर्यातक	जापान से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	45-50%
मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड	मै. पीटीटी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड / मै. पीटीटी प्रब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड	***	***	***	30-35%
मै. पीटीटी फेनोल कंपनी लि. थाईलैंड	मित्सुई एंड कं. लि., जापान (एमबीके) एंड मित्सुई एंड कं. (एशिया पसिफिक) पीटीई. लि., सिंगापुर	***	***	***	15-20%
थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	थाईलैंड से अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	40-45%

निष्कर्ष

63. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि :

क. संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है ।

ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

ग. यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है

भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

64. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में इस उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं । तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। उपभोक्ता अब भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं ।

65. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

सिफारिशें

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई थी और उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी तथा निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित नियमावली के अनुसार पाटन, क्षति एवं घरेलू उद्योग को पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की प्रारंभिक जांच शुरू करने और करने के बाद तथा संबद्ध देशों के विरुद्ध सकारात्मक पाटन मार्जिन और ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति का अनंतिम निर्धारण करने के बाद प्राधिकारी का यह विचार है कि जांच के पूरा होने तक पाटन और क्षति की क्षतिपूर्ति करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाया जाना अपेक्षित है।

67. अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रक्रिया और तरीके से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

68. प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	टैरिफ मद का उप शीर्ष	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
1.	2907.1110 तथा 2707.9900	फेनोल	थाईलैंड	थाईलैंड	मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड थाईलैंड	मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड थाईलैंड	150.55	मी.ट.	अम.डॉ.
2.	2907.1110 तथा 2707.9900	वही	थाईलैंड	थाईलैंड	मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड थाईलैंड	मै. पी टी टी पब्लिक कंपनी लिमिटेड थाईलैंड	150.55	मी.ट.	अम.डॉ.
3.	वही	वही	थाईलैंड	थाईलैंड	उपरोक्त क्र. सं. 1 तथा 2 से इतर कोई अन्य संयोजन		247.25	मी.ट.	अम.डॉ.
4.	वही	वही	थाईलैंड	सिंगापुर	मै. पी टी टी फेनोल कंपनी लिमिटेड थाईलैंड	मित्सुई एंड कंपनी लि., जापान तथा मित्सुई एंड कं. (एशिया पसिफिक) पीटीई.लि., सिंगापुर	43.82	मी.ट.	अम.डॉ.
5.	वही	वही	थाईलैंड	सिंगापुर	उपरोक्त क्र. सं. 4 से इतर कोई अन्य संयोजन		247.25	मी.ट.	अम.डॉ.
6.	वही	वही	थाईलैंड	सिंगापुर से इतर कोई	कोई	कोई	247.25	मी.ट.	अम.डॉ.

7.	वही	वही	सिंगापुर, अमरीका, द. अफ्रीका, ई यू., कोरिया गण., जापान, ताईवान से इतर कोई	थाईलैंड	कोई	कोई	247.25	मी.ट.	अम.डॉ.
8.	वही	वही	जापान	सिंगापुर	मै. मित्सुई कैमिकल आई एन सी, जापान	मित्सुई एंड कंपनी लि., जापान तथा मित्सुई एंड कं. (एशिया पैसिफिक) पीटीई. लि., सिंगापुर	151.96	मी.ट.	अम.डॉ.
9.	वही	वही	जापान	सिंगापुर	उपरोक्त क्र. सं. 8 से इतर कोई अन्य संयोजन		179.43	मी.ट.	अम.डॉ.
10.	वही	वही	जापान	सिंगापुर से इतर कोई	कोई	कोई	179.43	मी.ट.	अम.डॉ.
11.	वही	वही	सिंगापुर, अमरीका, द. अफ्रीका, ई यू., कोरिया गण., थाईलैंड, ताईवान, से इतर कोई	जापान	कोई	कोई	179.43	मी.ट.	अम.डॉ.

आगे की प्रक्रिया

68. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

- (क) प्राधिकारी समस्त हितबद्ध पार्टियों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदक और संबंधित समझे जाने वाले अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अलग से लिखा जा रहा है, जो इस पत्र को प्रेषित किए जाने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है।
- (ग) प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन किया जाएगा;
- (घ) प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया जाएगा।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd February, 2010

PRELIMINARY FINDINGS

Subject : Anti-dumping investigations involving imports of Phenol originating in or exported from Japan and Thailand.

No. 14/27/2009-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, (hereinafter referred as Rules) 1995 thereof;

Procedure

2. The procedure described below has been followed:

i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai which is supported by M/s SI Group-India Ltd., Mumbai (formerly known as Schenectady Herdillia Limited) on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Phenol (hereinafter referred to as subject goods) originating in or and exported from Japan and Thailand.

ii. The Authority notified the Embassies/Representatives of the subject countries in India about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;

iii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 11th August 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of phenol originating in or exported from the subject countries, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

iv. The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 11.08.2009 to the Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers, consumers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.

v. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassies of subject countries in accordance with Rule 6(3) supra.

vi. The Embassies of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.

vii. The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4).

PTT Phenol Co., Ltd. (PPCL) 123 Suntowers Building B, 36th Floor, Vibhavadi Rangsit Road Chomphon Chatuchak, Bangkok 10900	Chiba Phenol Co. Ltd. Shiodome City Center, 1-5-2, Higashishimbashi, Japan
---	--

Mitsubishi Chemical
14-1 Tokyo 108-0014, Japan Shiba 4-chome,
Minato-ku,

viii. In response to the above notification, following exporters/ producers/ have responded to the initiation:

Name of Interested party	Country
PTT Phenol Company Limited, Producer & Exporter	Thailand
Mitsui & Co., Ltd. ("MBK"), Japan, Exporter	Japan
M/s. Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Limited, Singapore, Exporter	Singapore
Mitsubishi Chemical Corporation ("MCC")	Japan
Sumitomo Corporation, Exporter	Japan
Sumitomo Corporation Asia Pte Ltd	Singapore
Mitsui Chemicals, Inc., Producer	Japan

ix. Questionnaire was sent to the following known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4). However, no questionnaire response has been received from any importer of the subject goods.

M/s. C.J. Shah and Company 105, Bajaj Bhawan 10 th Floor, Nariman Point Mumbai- 400021.	M/s. Haresh Kumar and Company 1212, Maker Chambers 5 Jamnalal Bajaj Road, Nariman Point, Mumbai-400021.
M/s. PCL Industries M-105, Connaught Place New Delhi-110001	M/s. Kantilal Manilal and Company 16, Princess Street Mumbai-400003.
Sonkamal Enterprises 10, Dev Darshan Apartment Old Nagardas Road Andheri (East) Mumbai-400069	M/s. Khetan Brothers C-17, Dalia Industrial Area Off New Link Road, Opposite Laxmi Industrial Estate Andheri (West) Mumbai-400058
M/s. Shubham Dyes & Chemicals Limited 1/26, Roop Nagar, Delhi 110007	Acron Enterprises Plot No. 218-219/3, G.I.D.C, Naroda, Ahmedabad Pin Code- 382330, Gujarat.
M/s. Naiknavare Chemicals Limited 1, Vidya Bhavan, 121, Keluskar Road Shivaji Park, Dadar (West) Mumbai (Maharashtra).	M/s. Paras Dyes & Chemicals 12 th Floor, Vijaya Building 17 Barakhamba Road, New Delhi-110001
M/s. Torrent Pharmaceuticals Limited Ashram Road, Ahmedabad Road 380009 Gujarat	M/s. United Phosphorus Ltd. Eadymoney Terrace, 167, Dr. Annie Basant Road Worli, Mumbai-400 018
M/s. Resins & Plastic Ltd. Cross Rd. B, Mumbai 400093	M/S Kailash Polymers, 60 Krishna Market Kalka Ji New Delhi
M/S Centurian Metals Pvt. Ltd 6/221, Deodhar Road, matunga-400019-Mumbai	M/s. Wonder Laminates Pvt. Ltd. 14, Bhasa, Diamond Harbor road, Kolkata.
M/s. Meghdev Enterprises P.K. House. H/H M.J. Library, Ellisbridg, Ahmedabad	M/s. Satguru International 204-D, Pocket-12, Jasola Vihar Opp. Appollo Hospital, New delhi
M/s. High Polymer Labs Ltd. 803, Vishal Bhavan, 95, Nehru Place, New delhi	M/s. Rainbow colours & Chemicals 14/A, Bhavik Complex Ghod Dod Rd. Surat, Gujrat
M/s. M/s. Bleach Marketing Pvt. Ltd. 120, Bleach Chem Compound Nr. Chandola, Ahmedabad	M/s. Karmen International (P) Ltd. 31A/20, NP, Sidco Industrial Estate, Chennai
M/s. Krishna Antioxidants Pvt. Ltd. Lopes Maner, I C Colony, Near Chandra Ho, Mumbai	M/s. NGP Industries Ltd. M-13, Punj House, New Delhi

M/s. Farmson Pharmaceutical Gujrat Ltd. 5 th Floor, Commerce Centre, Sayajigunj, Baroda	M/s. India Glycols Ltd. C-124, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi
M/s. Singh Plasticisers and Resins (I) Pvt. B-316, 3 rd Floor, Somdut Chamber-1, Bhika ji Gama Place, New Delhi	M/s. National Plywood Industries Ltd. 5, Fancy Lane, 700001 Kolkata.
Kundan Rice Mills Ltd., d-17, Century Market, Prashant Vihar, Delhi-110085	

x. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

xi. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and period of investigation.

xii. Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty, lower than the dumping margin, would be sufficient to remove injury to Domestic Industry

xiii. Investigation was carried out for the period starting from 1st Oct 2008 to 30th June 2009 (nine months) (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2006-March 2007, April 2007- March 2008, April 2008-March 2009 and the POI.

xiv. *** In this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.

Product under Consideration

3. The product under consideration is 'Phenol'.

4. **Phenol** is an organic chemical, also known as Carboic Acid, and used in the manufacture of Phenol Formaldehyde Resins, Laminates, Plywood, Particle Boards, Bisphenol-A, Alkyl Phenols, Pharmaceuticals, Diphenyl Oxide and downstream chemicals. Phenol is classified under Chapter 29 & 27 of Custom Tariff Act under the sub-heading 29071110, 27079900 respectively. The customs classification is however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

5. It is a basic organic chemical, marketed in two grades viz. Crystalline and Hydrated. The two grades are differentiated on the basis of flow characteristics of Phenol. It is marketed in two forms – loose / bulk and packed.

Like Article

6. '**Phenol**' manufactured by Domestic Industry is identical to the product under consideration, and is therefore being treated as like article for the purpose of this Investigation.

Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation

7. The petition has been filed by M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai and supported by M/s SI Group-India Ltd., Mumbai (formerly known as Schenectady Herdillia Limited). There are no other known producers of the product in the country. M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd. alone shall constitute "Domestic Industry" for the purpose of the present investigation

Normal value, Export Price and Dumping Margin**Normal Value for Japan****Cooperating Exporters****Mitsubishi Chemical Corporation**

8. While submitting a response to the initiation the subject producer from Japan has stated that the sales of the company in Japan are to Dia Chemicals, a 100% subsidiary, Yuka Schenectady, a 50% JV with Schenectady, and swap with other manufacturers. It has further been claimed that the price is based on raw material market prices and an additional amount and these sales in the domestic market are claimed to be based on different commercial considerations and not relevant for the purposes of establishing normal value. Further costing information has also not been furnished. They have however furnished details of exports claimed to have been made to third countries, other than India during POI. They have contested the methodology of construction of NV resorted to be the DI while submitting the petition and have questioned that the DI has not made adequate efforts to obtain the NV in respect of the subject responding exporter.

9. The Authority notes that the onus is on the responding exporter to provide all the information, including that related to domestic sales for determination of Normal value and it is for the Authority to decide whether these sales are reasonable and appropriate for determination of NV. The claim of the responding producer / exporter that these sales are not relevant for determination of NV cannot be taken on its face value. In fact the responding exporter is trying to act as the Authority to decide whether these sales are relevant or not.

10. Further details relating to exports to third countries are also in a consolidated manner and do not reflect country wise details or even the name of the country to which these exports have been made. In fact they have claimed to have made these supplies to Mitsui & Co Ltd and Sumitomo Corporation, which are essentially Japanese Companies, based in Japan, which inter-alia means that they have not been exporting the materials at all but selling the same in the Domestic Market alone.

11. Considering the above factors, the Authority holds the said responding exporter as non-cooperative for provisional determination. However if the said responding producer / exporter wishes to submit the related information subsequent to issue of PF, the Authority will take a view, whether to consider the same for final determination, on receipt of the same.

Mitsui Chemicals Inc., Japan

12. The Authority observed that the domestic sales of the subject goods by the responding exporters in their home markets were representative for permitting determination of Normal values on the basis of domestic selling prices and the ordinary course of trade test was satisfied as per the data provided by the respondents. In their responses, the respondents have provided transaction-wise details of sales made in their home markets. The information so provided has been relied upon to determine separate weighted average domestic selling price of the subject goods to the extent feasible. For the determination of the ordinary course of trade test, the costs of production of the product concerned have been accepted. Further, all domestic sales transactions were examined with reference to the costs of production of the subject goods to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade. Considering that there have been significant changes in the cost of production and selling price from quarter to quarter, the Normal Value has been worked out individually for each quarter. Further, considering the fact that the export sales to India are only in respect of Quarter Jan 09- March 09, the Normal Value for the subject producer has been considered in respect of Domestic Sales for this quarter only (More than 80% domestic sales being profitable sales) to assess the impact of dumping on the basis of quarterly comparisons for ensuring a fair comparison. However, the quarterly analysis has been done for preliminary determination at this stage and this methodology may undergo a review for final determination, if need arises, subsequent to

verification of the records of Responding Exporters. The Normal Value so determined works out to US\$ *** per MT.

Non-Cooperating Exporters

13. Considering the fluctuation in input prices during POI, the Normal Value for co-operating exporters has been worked out on a quarterly basis Normal Value adopted for the responding exporter M/S Mitsui Chemical Inc. has been adopted for all other exporters from Japan.

Thailand

Normal Value for Thailand

Cooperating Exporters

PTT Phenol Company Limited, Producer & Exporter

14. The Responding exporter has questioned the CNV methodology adopted by the petitioner in the petition. Authority observes that this issue is not relevant in view of the fact that NV is being taken into account for Preliminary determination based upon the information provided by the responding exporter and not by resorting to the constructed method as claimed by the DI. Considering the information provided by the said responding exporter, the domestic sales of the subject goods by the responding exporters in their home markets for quarter April-09-June 09 are profitable and representative for permitting determination of Normal values on the basis of domestic selling prices and the ordinary course of trade test was satisfied as per the data provided by the respondents. In respect of other two quarters of the POI the sales were found to be loss making sales and normal value for these two quarters has been worked out based upon the cost of production plus reasonable profit margin. The Normal value for the subject producer has been worked out by taking the weighted average of the quarterly values as above for POI as a whole. The Normal value has been determined as per methodology mentioned above. However, the quarterly analysis has been done for preliminary determination at this stage and this methodology may undergo a review for final determination, if need arises, subsequent to verification of the records of Responding Exporters. The Normal Value so determined works out to US\$ *** per MT.

Non-Cooperating Exporters

15. The Normal Value having been worked out on a quarterly basis, the NV for this category has been considered as the one determined for a quarter in which the highest dumping margin is reported in respect of sales to India. The NV so determined is US\$ *** per MT.

Export Price

Export price for the responding exporters from Japan

Mitsui Chemicals Inc., Japan

16. The subject goods produced by M/s Mitsui Chemical Inc., Japan (MCI) are exported to India through Mitsui & Co., Ltd., Japan ('MBK') and Sumitomo Corporation ('SC').

17. MCI sells its products to MBK and SC on a domestic invoice while MBK and SC exports to India through their affiliates. Mitsui Chemicals Inc., Japan sells on FOB basis to Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK), who arranges logistics and sells to Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore (MAP) on CFR or CIF. MAP in turn sells it to Indian customer. For determination of the weighted average export price to India, the adjustments have been made on account of ocean freight, clearing and handling charges, bank/ credit charges, and commission as claimed by the exporter. Accordingly, the net export price has been determined as under:

Producer	Exporter	Quantity exported (MT)	Net Export Price (USD/MT)
M/s Mitsui Chemical Inc., Japan (MCI)	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***

18. M/s Sumitomo Corporation, Japan procures the materials from M/s Mitsui Chemicals Inc., Japan and M/s Mitsubishi Chemicals Corporation, Japan, and sells to M/s Sumitomo Corporation Asia Pte Ltd., Singapore. In turn, M/s Sumitomo Corporation Asia Pte Ltd sells the products to India directly or through unrelated companies based at Singapore or UAE. Sumitomo Corpn. Asia Pte. Ltd., in their response stated that it has sold *** MT of Phenol produced by M/s Mitsui Chemicals Inc., Japan to India through M/s Noble Resources Pte. Ltd., Singapore. M/s Noble Resources have not filed a separate response for the goods exported by it to India. The ultimate export price at which the goods are exported to India by M/s Noble Resources Pte. Ltd., Singapore has therefore not been shared with the Authority. Considering the above factors, the Authority holds that separate export price and dumping margin cannot be determined for M/s Noble Resources Pte. Ltd., Singapore for provisional determination. However if the said responding exporter wishes to submit the related information subsequent to issue of PF, the Authority will take a view, whether to consider the same for final determination, on receipt of the same. Similarly individual margin in respect of the exports of PUC produced by M/s Mitsubishi Chemicals Corporation, Japan to India made by Sumitomo Corporation Asia Pte Ltd cannot be determined in view of non-availability of the Normal Value in respect of M/s Mitsubishi Chemicals Corporation, Japan as explained in Para 8 to 11 above

Export price for Non-cooperating Exporters from Japan

19. The lowest export price reported by the responding producer/ exporter from Japan has been relied upon to calculate the ex-factory export price for this category of exporters. Adjustments on account of ocean freight, clearing and handling charges, bank/ credit charges, and commission have been made, at par with the adjustments allowed in respect of Co-operating exporters to arrive at the ex-factory export price. By adopting the above method, the ex-factory export price has been calculated as US\$ *** PMT.

Export price for the responding exporters from Thailand

PTT Phenol Company Limited, Thailand

20. M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand has claimed to be exporting the subject goods to India directly as well as through its affiliate M/s PTT Public Company Ltd., Thailand. Since the exporter can easily switchover between direct exports and exports through its affiliate, the Authority has determined one export price and dumping margin for the exports made by M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand either directly or through its affiliate M/s PTT Public Company Ltd., Thailand. M/s PTT Phenol Company Limited has also exported the subject goods through Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK). MBK has in turn sold to Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore (MAP) and MAP have finally exported the subject goods to India.

21. For determination of the weighted average export price to India, the adjustments have been made on account of ocean freight, clearing and handling charges, bank/ credit charges, and commission as claimed by the exporter. Accordingly, the net export price has been determined as under. However, only one export price, which is a weighted average NEP for exports made by producer M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand directly or through its related trader M/s PTT Public Company Ltd., Thailand has been arrived at for preliminary determination. The Authority may consider working out a separate NEP and consequent DM in respect of direct and related party exports as above, if deemed necessary and appropriate at the time of final determination.

Producer	Exporter	Quantity exported (MT)	Net Export Price (USD/MT)
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand / M/s PTT Public Company Ltd., Thailand	***	***
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***

Export price for Non-cooperating Exporters from Thailand

22. The lowest export price reported by the responding producer/ exporter from Thailand in relation to the Normal Value, reported in a quarter has been relied upon to calculate the ex-factory export price. Adjustments on account of ocean freight, clearing and handling charges, bank/ credit charges, and commission have been made to arrive at the ex-factory export price. By adopting the above method, the ex-factory export price has been calculated as US\$ *** PMT.

Dumping Margin

23. On the basis of normal values and export prices as determined above, the dumping margins for exporters from subject countries are determined as per table below;

US\$/MT

Producer	Exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin (%)
M/s Mitsui Chemical Inc., Japan (MCI)	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	25-30%
All other exporters from Japan	All others exporters from Japan	***	***	***	35-40%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand / M/s PTT Public Company Ltd., Thailand	***	***	***	25-30%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	5-10%
All other exporters from Thailand	All other exporters from Thailand	***	***	***	40-45%

24. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de-minimis level.

Methodology for Injury Determination and Examination of Causal Link

Views of the domestic industry

25. The followings are the views of domestic industry: -

- Export price from the subject countries has remained at dumped level during POI. Further, these prices have been declined more than input prices.
- Production, sales volumes and capacity utilization of the domestic industry declined after showing improvements up to 2007-08.
- Profit/Loss (PBT, PBIT and PBDIT) of the domestic industry have all shown significant decline even become negative after improvement up to 2007-08.
- Market share of the domestic industry declined marginally. This is due to the fact that dumped imports have captured significant market share of demand in India.
- Import from each of the subject countries has been undercutting the prices of the domestic industry to a significant degree.
- Imports from the subject countries have forced the domestic industry to reduce the price

- steeply during investigation period. Thus, the imports were depressing the prices in this period.
- g) Employment levels with the domestic industry have not undergone any significant change even though there is a marginal decline.
 - h) Salary & wages: - Salary and wages level with the domestic industry decreased due to low level of production.
 - i) Demand and market share: -Whereas the market shares of the imports have increased, that of the domestic industry has declined.
 - j) Growth: - Growth of the domestic industry in a number of parameters shows negative trend.
 - k) Domestic industry has suffered material injury and is trapped in a vicious cycle of volume effect and price effect. With increase in volume of imports of the subject good from the subject countries into the Indian market as a result of excess capacity with the Foreign Producers, the domestic industry suffered from loss of sale and loss of market share. This resulted in adverse volume effect. Loss of sale forced the domestic industry to reduce their domestic selling price in order to sell the subject good in the domestic market thus resulting in adverse price effect. Resultantly, domestic Industry faced adverse volume effect and adverse price effect as a result of unfair trade practices of the exporting countries.
 - l) Imports from subject countries are adding to the material injury, already being suffered by the domestic industry.
 - m) There is significant increase in the import volumes in absolute terms. This increase in imports is in spite of best efforts of the domestic industry to sell their material even at sub-optimal prices. The increase in imports would have been more, had the domestic industry not made efforts to curtail the same by offering lower prices.
 - n) Price undercutting is significant. In spite of offering matching prices, there is a positive price difference between the domestic product and imported product. Given nature of the product involved, any price difference between the domestic product and imported product is not acceptable to the consumers and the domestic industry is under constant pressure for price reductions. Domestic industry cannot afford to sell at prices, significantly higher than the imported prices. The only option with the domestic industry is to sell at matching prices. Even a small price difference is in fact huge in this kind of product.

Views of Responding Producers / Exporters

26. ELP representing the views of PTT Phenol Co Ltd. Thailand and M/S Mitsui and Company Japan and M/s Mitsui & Co Pte Ltd. Singapore has submitted as under:

- a. The injury analysis can be done based upon the data provided in the original petition based upon which the case was initiated and not based upon the data of the revised POI.
- b. The Injury data in the petition is provided only for the petitioners and not for the supporter to the petition.
- c. Capacity utilization of the petitioner during 2008-09 is in excess of the licensed installed capacity.
- d. There is a miniscule drop of 6.4% sales volume in FY 2008-09 and the same cannot be attributed to causing injury.
- e. Sale value drop is on account of the drop in the prices of Benzene and thus directly related to reduced cost of production.
- f. Average inventories during FY 2008-09 have dropped to an all time low.
- g. Reduction of profitability during FY 2008-09 compared to FY 2007-08 cannot be attributed to dumping.
- h. Reduction in employment levels is a common feature of any organization.
- i. Wages have increased over the years and are highest in FY 2008-09.
- j. Inspite of reduced demand during 2008-09, the production of DI has increased.

27. M/s J Sagar and associates, representing Mitsubishi Chemicals Corporation Japan have made

following submissions:

- a. The sales of DI have decreased only marginally and perhaps due to imports from Thailand and not from Japan and there is no volume effect for exports from Japan.
- b. Production of DI has not seen any significant change. They have been operating at full or over capacity.
- c. The profit / loss trend does not appear to be connected to dumped imports as there was huge increase in profits during 2007-08 in spite of increase in imports from Japan during this period.
- d. The selling price of DI has decreased in line with the decrease in demand by 8.9% during 2008-09 and not because of dumped imports.
- e. Market share of petitioner and supporter does not show any material change during POI though there is a marginal increase of market share of imports from Japan.

Examination by the Authority

28. The Authority has taken note of various submissions of the interested parties on injury to the domestic industry and has analyzed injury to the domestic industry considering the facts available on record and the applicable law. Further the issue of injury submissions in respect of the supporter is nowhere mandated in the Rules. However, the Authority, before proceeding with the injury analysis, sought the data from the supporter, who however did not furnish the same till date. As regards Injury analysis, the POI has been prescribed by the Authority and therefore for injury analysis the injury during POI has to be considered.

Cumulative assessment of injury

29. Annexure II para (iii) of the AD Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -

- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent of the import of like article or where the export of individual countries is less than three per cent, the imports collectively accounts for more than seven per cent of the import of like article and
- b. cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

30. The Authority observes that:

- The margins of dumping from each of the subject countries are more than the limits prescribed above;
- Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market. This is evident from the following:
 - a. The subject goods manufactured by the producers from the subject countries *inter-se* and in comparison to the product manufactured by the domestic industry has comparable properties. In other words, the subject goods supplied from various subject countries and by the domestic industry are *inter-se* like articles.
 - b. The information furnished to the Authority gives a reasonable indication that there are common parties who are resorting to use of imported material from various sources and domestic material. Imported and domestic materials are, therefore, being used interchangeably and there is direct competition between the domestic product & imported product and *inter-se* imported product.
 - c. Volume of imports from each of the subject countries is significant.

- d. Consumers make purchase decision on the basis of prices offered by various suppliers.

31. In view of the above, the Authority notes that it is appropriate to, cumulatively assess the effect of imports of the subject goods from Thailand and Japan on the domestically produced like article, in the light of conditions of competition between the imported products and the like domestic product.

32. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

33. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

34. The Authority collected transaction wise details of imports of subject goods from DGCI&S as also from World Trade Atlas. The Authority has also collated the volume of exports reported by responding exporters with the volume of imports during the period. The responding exporters from Thailand as well as Japan have reported a lower volume of imports during POI compared to DGCI&S and WTO as well as IBIS data source relied upon by the petitioner. Further the imports reported in DGCI&S data source and WTA are higher than those reported in IBIS data source. Therefore Volume analysis has been done based upon DGCI&S data as under.

Import Volumes and share of subject country

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9M)	POI Annualized
Japan	MT	531.63	6,244	18,226	12,920	17,226
Thailand	MT	0	0	20,498	28,285	37,713
Subject Countries	MT	531.63	6,244	38,724	41,204	54,939
Trend	Indexed	100	1,174	7,284	10,334	10,334
Other country attracting ADD	MT	63,337	88,447	51,894	35,301	47,068
Other countries	MT	2,687	8,180	2299.12	1616.51	2,155
Total Imports	MT	66,556	1,02,871	92,918	78,122	1,04,163
Trend	Indexed	100	155	140	157	157

Market Share in Imports	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9M)	POI Annualized
Japan	%	0.80%	6.07%	19.62%	16.54%	16.54%
Thailand	%	0.00%	0.00%	22.06%	36.21%	36.21%
Subject	%	0.80%	6.07%	41.68%	52.74%	52.74%

Countries						
Other country attracting ADD	%	95.16%	85.98%	55.85%	45.19%	45.19%
Other country	%	4.04%	7.95%	2.47%	2.07%	2.07%
Total Imports	%	100%	100%	100%	100%	100%
Production of DI	MT	40,733	41,908	42,641	24,719	32,959
Imports from subject countries	MT	531.63	6,244	38,724	41,204	54,939
Imports from subject countries as a percentage of Indian production	%	1.31%	14.90%	90.81%	166.69%	166.69%

35. As per the data shown in the above table:

- Cumulative imports from subject countries have increased significantly in absolute terms and in relation to imports in India.
- Imports from subject country have increased in relation to production and consumption in India as compared to the base year. Imports from subject countries show a growing trend in relation to production of the domestic industry. The imports from subject countries was 1.31% in relation to the Indian production in the base year which has gone up significantly in percentage terms to 166.69% in POI.
- Demand, Output and Market shares**

Demand, Output & Market Share	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9M)	POI Annualized
Domestic Industry	MT	41,009	43,723	40,924	26,694	35,592
Trend	Indexed	100	107	100	87	87
Supporter	MT	26,918	29,247	31,451	22,818	30,424
Trend	Indexed	100	109	117	113	113
Import – Subject Countries	MT	531.63	6,244	38,724	41,204	54,939
Other country attracting ADD	MT	63,337	88,447	51,894	35,301	47,068
Other countries	MT	2,687	8,180	2,299	1,617	2,155
Total Demand	MT	1,34,484	1,75,841	1,65,292	1,27,634	1,70,179
Trend	Indexed	100	131	123	127	127
Market share in demand						
Domestic Industry	%	30.49%	24.87%	24.76%	20.91%	20.91%
Trends	Indexed	100	82	81	69	69
Supporter	%	20.02%	16.63%	19.03%	17.88%	17.88%
Trends	Indexed	100	83	95	89	89
Subject Countries	%	0.40%	3.55%	23.43%	32.28%	32.28%
Other Countries Attracting ADD	%	47.10%	50.30%	31.40%	27.66%	27.66%
Other Countries	%	2.00%	4.65%	1.39%	1.27%	1.27%

36. The Authority notes that:

- Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales and all imports from all countries. The Authority notes that demand for the subject goods had been growing from base year to POI. It grew by 27% during POI as compared to base

year i.e. 2006-07.

- b. The market share of imports from the subject countries have significantly increased, whereas that of the domestic industry has declined over the injury period. The share of domestic industry, which was at 100 (indexed) in 2006-07, declined to 69 (Indexed), during POI. During the same period the share of imports from subject countries, which was 0.40% in 2006-07, went up to 32.28% during POI. It is noted that imports from subject countries have captured a significant proportion of the growth in demand.

Capacity, production and capacity utilization of the Domestic Industry

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Installed Capacity	MT	40,000	40,000	40,000	30000	40,000
Production	MT	40,733	41,908	42,641	24719	32,959
Capacity Utilization	%	101.83	104.77	106.60	82.40	82.40

37. Data of domestic industry on capacity, production and capacity utilization reveals that the capacity of the domestic industry remained unchanged at 40000 MT during the injury period. The production of subject goods that were increasing until 2008-09 declined significantly to 32,959 MT during POI. As a result, the capacity utilization of domestic industry, which was 101.83% during 2006-07, increased to 106.60% in 2008-09 and then declined significantly to 82.40%

Sales volume of Domestic Industry

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Sales	MT	41,009	43,723	40,924	26694	35,592
Trend	Indexed	100	107	100	87	87

38. The above data on the sales of domestic industry shows that there was a fall in the sales during POI to the extent of 13% over the base year and also over the previous year 2008-09.

Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

39. With regard to the effect of dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18, the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of like product in India or whether effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred to a significant degree.

40. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

Price suppression and depression effects of the dumped imports:

41. The price suppression and depression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed value from the subject countries.

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Cost of sales	Rs./Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	84	89	78	78
Selling Price (NSR)	Rs./Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	94	73	73

42. It is seen from the above table that the decline in selling prices of domestic industry is more than the decline in its cost of sales during POI compared to the base year. The trend shows that cost

of sales decreased by 22% during POI as compared to base year whereas the selling price had decreased significantly by 27% during POI indicating that the domestic industry could not realize the selling price commensurate with the cost of sales, thereby causing significant price depression. The position is seen to be exactly reversed when the comparison is made from Base year 2006-07 with the trends in 2007-08 and 2008-09 where the DI has been realizing a higher realization compared to the cost of sales. But this trend has reversed in POI when the sales realization has fallen below the cost of sales.

Price undercutting and underselling effects

Price Undercutting

Producer	Exporter	NSR of DI (Rs./MT)	Landed Value (Rs./MT)	Price Undercutting (Rs./MT)	Price Undercutting (%)
M/s Mitsui Chemical Inc., Japan (MCI)	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	25-30%
All other exporters from Japan	All others exporters from Japan	***	***	***	30-35%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand / M/s PTT Public Company Ltd., Thailand	***	***	***	25-30%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	10-15%
All other exporters from Thailand	All other exporters from Thailand	***	***	***	30-35%

43. While working out the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been deducted. The landed value of imports has been calculated by adding 1% landing charge for determination of Basic Customs Duty and then adding this Basic Customs Duty to the export / CIF prices from the subject countries, as reported by each responding exporter. For others category, the transaction of export considered for determination of DM for the residual category has been taken into account for determination of Landed Value.

44. It is seen that the landed price of imports of the subject goods are significantly below the selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting.

Price Underselling

Producer	Exporter	NIP of DI (Rs./MT)	Landed Value (Rs./MT)	Price Underselling (Rs./MT)	Price Underselling (%)
M/s Mitsui Chemical Inc., Japan (MCI)	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	25-30%
All other exporters from Japan	All others exporters from Japan	***	***	***	30-35%

M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand / M/s PTT Public Company Ltd., Thailand	***	***	***	25-30%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	10-15%
All other exporters from Thailand	All other exporters from Thailand	***	***	***	30-35%

45. For the purpose of price underselling the landed prices of imports from subject countries have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. It shows that underselling was significant.

Examination of other Economic Parameters of Domestic Industry

46. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:

Profits and actual and potential effects on the cash flow

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Cost of sales	Rs./Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	84	89	78	78
Selling Price (NSR)	Rs./Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	94	73	73
Profit/Loss	Rs./Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	1,251	241	(473)	(473)
Profit/Loss before Tax	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	1,334	241	(411)	(411)
PBIT	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	8,167	1,847	(1,969)	(1,969)
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	1,495	275	(452)	(452)

47. The Authority notes that there has been significant deterioration in the profitability of domestic industry over the injury period. The domestic industry has been suffering financial losses in 2006-07. The profitability improved considerably in 2007-08 and the company earned profit on sale of the subject goods in that period. The financial position of the company deteriorated thereafter and profits declined considerably during 2008-09 and thereafter it suffered financial losses during the POI. The losses suffered in the POI were more than the losses in the base year. The profit of domestic industry on the domestic sales before interest and tax (PBIT) and cash profits also followed the same trend.

Return on investment and ability to raise capital

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
PBIT	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	8,167	1,847	(1,969)	(1,969)

Net Fixed Assets	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	88	79	79	79
Working Capital	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	103	80	80
Capital Employed	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	98	80	80
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	8,177	1,884	(2,256)	(2,256)

48. The Authority notes that the return on capital employed earned by the domestic industry followed the same trend as that of profitability.

Productivity

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Productivity per employee	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	108	83	83

49. The data on productivity per employee shows that it declined by 17% in POI from the base year.

Employment and wages

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Employment (Manpower strength)	Nos.	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	97	97	97
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	104	87	87

50. The employment level does not show significant change. In indexed form it declined by 3% during POI from base year. The wages that increased by 4% in 2008-09 as compared to base year, declined during POI.

Inventories

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (9 months)	POI Annualized
Opening Stock	Mt	***	***	***	***	***
Closing Stock	Mt	***	***	***	***	***
Average Stock	Mt	***	***	***	***	***
Average Stock in terms of No. of Days' sales	Nos.	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	55	55	68	68

51. The information about the inventory levels of subject goods is contained in the above table. It is seen that the inventory levels for the subject goods have declined as compared to the base year but there is a marginal increase seen in POI compared to 2008-09.

Growth

52. The growth in production and capacity utilization was positive till 2008-09 and in domestic sales till 2007-08. However, the same deteriorated significantly during the period of investigation even below the base year levels. The domestic industry has shown a negative growth in production

and domestic sales in spite of positive growth in demand from base year to POI. The profitability of domestic industry has significantly declined during the POI. The performance of the domestic industry has also deteriorated during the period of investigation in terms of return on investment and cash profit. It is also seen that the selling price have declined more than the decline in the cost of sales during POI, thereby causing significant price depression. Besides, the imports of subject goods are significantly undercutting the prices of the domestic industry. The price underselling was also significant.

Investment

53. The authority notes that the domestic industry had not changed the capacity of subject goods from base year to POI. There has been no fresh investment by the domestic industry during the period of investigation. No evidence of any plans for further investment has come to the notice of the Authority.

Magnitude of Dumping

54. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries, for the POI, are significant.

Factors affecting prices

55. It has already been seen in the foregoing paragraphs that imports are undercutting the domestic prices. Comparison of cost of production and selling price of the domestic industry shows that the imports are also depressing prices of the domestic industry. It was found that the landed value per MT in POI was lower than both the net selling price and non-injurious price of phenol causing price undercutting and price underselling in the Indian market. As a result of price difference between the imported products' price and domestic industry' price, the imports have taken a major share in the growth in Indian demand for the subject goods.

Conclusion on injury

56. The examination of above injury parameters indicates that despite overall growth in demand, both the production and sale of domestic industry declined during POI as compared to the base year. The demand of subject goods has increased by 27% in POI as compared to base year. The domestic sales of the domestic industry have decreased by 13% during the same period. The Authority notes that the domestic industry could not take advantage of increase in demand in the market due to presence of imports from subject countries. The cost of sales decreased by 22% whereas sales value decreased by 27%. Consequently, the financial losses (PBIT) increased from (100) (index) in base year to (1969) (index) in POI and the return on investment declined from (100) (index) in base year to (2256)(index) in base year. Hence, as compared to base year, the financial performance of domestic industry declined significantly in POI.

57. The examination of the imports of the product and performance of domestic industry clearly shows that the imports of the product under consideration have increased in absolute terms and as also in relation to production and consumption in India. The imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market and the effect of the dumped imports was to depress the prices of the domestic industry in the market. The domestic selling prices have declined more than the decline in cost of sales. Further, there has been a significant price under cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India and the effect of such imports is prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, performance of the domestic industry deteriorated from the base year in terms of sales, production, capacity utilization, market share, profits, cash profits & return on investments. Imports are affecting the domestic prices. It is also noted that the production, sales, profits and return on capital employed should have improved as

a result of increase in demand. However, the same have instead declined significantly indicating the material injury suffered by the domestic industry as can be seen from the trend from the base year.

58. On the basis of above analysis, the Authority provisionally concludes that the performance of the domestic industry deteriorated in terms of production, sales volumes, capacity utilization, market share, factors effecting prices, profits, return on investment, cash profits, thus collectively and cumulatively showing that the domestic industry has suffered material injury.

Causal Link and other factors

59. Having examined the existence of material injury and volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was noted that:

i) **Volume and Prices of imports not sold at the dumped prices**

It is noted from import data that about 53% imports are from subject countries during POI and the 45% from other countries already attracting anti-dumping duties. The imports from other countries, not attracting ADD are just 2%. Therefore, the imports from other countries do not affect the prices in the domestic market;

ii) **Contraction in demand and / or change in pattern of consumption**

Demand for the subject goods shows a healthy growth during the entire injury investigation period and therefore, the injury to the domestic industry has nothing to do with the lack of demand in the country. The data on consumption and demand does not show any change in the pattern of consumption of the product and has not been a factor causing injury to the domestic industry.

iii) **Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers**

The goods are freely importable. The applicants are the major producers of the subject goods and account for significant domestic production and sales. No evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has come to the knowledge of the Authority. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from subject countries compete directly with the subject goods produced by domestic industry. The Authority also notes that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and the imported product is sold to meet the similar applications/ end uses as domestically produced subject goods.

iv) **Development of technology**

On the basis of examination of the records of the petitioner, the Authority provisionally holds that development in technology has not been a relevant factor for the injury to the domestic industry.

v) **Export performance**

The Authority notes that there are no exports of the domestic industry during the POI. The performance with respect to various Economic indicators has therefore been determined with respect to domestic sales only. Hence, the Authority provisionally holds that material injury suffered by the domestic industry may not be as a result of the export performance of the domestic industry.

vi). **Productivity of the Domestic Industry**

Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has shown decline during POI as compared to preceding year because of the decline in total production during the same period.

vii) No other factor, which could have possibly caused injury to the domestic industry, has been brought to the knowledge of Authority.

60. The Authority notes that while listed known other factors do not show injury to the domestic industry, following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports:

- The landed prices of imports were lower than the selling price of the domestic industry. As a result of price undercutting, the consumers have resorted to higher volume of imports, thus leading to decline in market share of the domestic industry.
- Decline in market share has prevented the domestic industry from increasing their production and capacity utilization.
- Landed price of imports were undercutting the prices of the domestic industry. The imports from subject countries have caused price underselling in the Indian market. Resultantly, lower import prices appear to have prevented the domestic industry from increasing their prices.
- Price depression effect of the imports has directly resulted in deterioration in profitability of the domestic industry and consequently the return on investment and cash profits. Thus, the decline in profits, return on investments and cash profits is apparently due to presence of dumped imports in the market.
- Significant deterioration in performance of the domestic industry in the period of investigation is apparently due to presence of dumped imports in the market.

61. The Authority has therefore, provisionally concludes that the dumped imports originating in the subject countries have caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti-dumping Rules and article 3.5 of Agreement of Anti-dumping.

Magnitude of Injury Margin

62. The Authority has determined non-injurious prices of the subject goods for the domestic industry taking into account cost of production of the domestic industry. The non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports to determine injury margin. The injury margins have been worked out as follows

Producer	Exporter	NIP of DI (Rs./MT)	Landed Value (Rs./MT)	Injury Margin. (Rs./MT)	Injury Margin (%)
M/s Mitsui Chemical Inc., Japan (MCI)	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	35-40%
All other exporters from Japan	All others exporters from Japan	***	***	***	45-50%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand / M/s PTI Public Company Ltd., Thailand	***	***	***	30-35%
M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	Mitsui & Co. Ltd., Japan (MBK) & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	***	***	***	15-20%
All other exporters from Thailand	All other exporters from Thailand	***	***	***	40-45%

Conclusions

63. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- a. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;
- b. The domestic industry has suffered material injury;
- c. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

Indian industry's interest & other issues

64. The Authority recognizes that imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or even more sources of supply.
65. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

Recommendations

66. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.
67. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.
68. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries

Duty Table

S.No	Sub Heading Of Tariff item	Description of Goods	Country Of Origin	Country Of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit Measure	Currency
1	2.	3	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
1.	2907.1110 and 2707.9900	PHENOL	Thailand	Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	150.55	MT.	USD
2.	2907.1110 and 2707.9900	Do	Thailand	Thailand	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	M/s PTT Public Company Ltd., Thailand	150.55	MT.	USD
3.	Do	Do	Thailand	Thailand	Any combination other than at sr. no. 1 & 2 above		247.25	MT.	USD
4.	Do	Do	Thailand	Singapore	M/s PTT Phenol Company Limited, Thailand	Mitsui & Co. Ltd., Japan & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	43.82	MT.	USD
5.	Do	Do	Thailand	Singapore	Any combination other than at Sl. no. 4 above		247.25	MT.	USD
6.	Do	Do	Thailand	Any other than Singapore	Any	Any	247.25	MT.	USD
7.	Do	Do	Any other than Singapore, USA, South Africa, EU, Korea RP, Taiwan and Japan	Thailand	Any	Any	247.25	MT.	USD
8.	Do	Do	Japan	Singapore	M/s Mitsui Chemical Inc., Japan	Mitsui & Co. Ltd., Japan & Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd., Singapore	151.96	MT.	USD
9.	Do	Do	Japan	Singapore	Any combination other than at Sl. no. 8 above		179.43	MT.	USD
10.	Do	Do	Japan	Any other than Singapore	Any	Any	179.43	MT.	USD
11.	Do	Do	Any other than Singapore, USA, South Africa EU, Korea RP, Taiwan and Thailand	Japan	Any	Any	179.43	MT.	USD

Further Procedures

68. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- (b) Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (d) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

P. K. CHAUDHERY. Designated Authority